epaper.dehatsandesh.com

3 रणविजय सिंह ने विश्व चैंपियन निशानेबाज रविंदर सिंह को सम्मानित किया

5 लक्ष्य ने जापान के तनाका को हराकर आस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

8 जरबेरा फूलों की उन्नत खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-288 | जम्मू तवी, मंगलवार 25 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

रेड्डी ने जम्मू कश्मीर को 'मिनरल ऑक्शन' मैप में शामिल होने पर बधाई दी

- केंद्रीय मंत्री, उमर ने लाइमस्टोन ब्लॉक्स का ई-ऑक्शन लॉन्च किया
- जम्मू-कश्मीर में लिथियम भंडार की साफ तस्वीर जी2 सर्वे पूरा होने के बाद ही मिलेगी- केंद्रीय मंत्री रेड्डी

जम्मू तवी, 24 नवंबर। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर को भारत के मिनरल ऑक्शन मैप में औपचारिक रूप से शामिल होने पर बधाई दी, क्योंकि उन्होंने और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मिलकर जम्मू में लाइमस्टोन ब्लॉक्स का ई-ऑक्शन लॉन्च किया।

लॉन्च समारोह में बोलते हुए, रेड्डी ने कहा कि सात लाइमस्टोन ब्लॉक्स ऑक्शन के लिए खोले गए हैं, जो J&K की नेशनल कॉम्पिटिटिव बिडिंग इकोसिस्टम में पहली एंट्री है। उन्होंने कहा, देश भर के राज्य राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठ गए हैं और मिलकर युवाओं को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 2014 के निर्देश के बाद से ट्रांसपेरेंसी वाले सुधारों ने भारत के माइनिंग सेक्टर को नया रूप दिया है।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माइनिंग सुधारों ने 100% ट्रांसपेरेंसी सुनिश्चित की है, जिससे राज्यों को बिजनेस करने में आसानी हुई है और इन्वेस्टर का भरोसा बढ़ा है। तेज़ी से हो रहे सेक्टरल ग्रोथ पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने बताया कि देश भर में 1,000 से ज़्यादा मिनरल और कोल ब्लॉक्स की नीलामी हुई है, जिससे रेवेन्यू मिला है और इंडस्ट्रियल मौके बन रहे हैं।

रेड्डी ने कहा कि मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छ्ब×ञ्च को रोज़गार के ज़्यादा मौकों के साथ एक मिनरल-रिच राज्य बनाने का सपना देखते हैं। नीलामी को बदलाव लाने वाला मील का पत्थर बताते हुए, उन्होंने कहा कि इससे इंडस्ट्रियल ग्रोथ, रिसोर्स का इस्तेमाल और लोकल कम्युनिटीज़ के लिए सोशियो-इकोनॉमिक डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस पहल से J&K के इंडस्ट्रियल बेस में डायवर्सिटी आएगी, इन्वेस्टर का भरोसा मज़बूत होगा और रोज़ी-रोटी के नए मौके बनेंगे। डिप्टी मुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने भी ट्रांसपेरेंट माइनिंग सुधारों को आगे बढ़ाने में केंद्र और ञ्ज सरकार के बीच सहयोग की तारीफ़ की।

जम्मू-कश्मीर में बिजली के रेट बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं : मुख्यमंत्री उमर

जम्मू तवी, 24 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि घाटी में तय पीक आवर्स के दौरान बिजली की खपत के लिए बेस पावर टैरिफ पर 20 परसेंट सरचार्ज लगाने की खबरों को खारिज कर दिया।जम्मू में एक कार्यक्रम के दौरान अब्दुल्ला ने मीडिया से कहा कि बिजली की कीमतें बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है और मुझे नहीं पता कि यह अफवाह कहां से शुरू हुई। अब्दुल्ला ने कहा कि मैं विद्युत मंत्री भी हूं और अभी तक (पावर टैरिफ बढ़ाने पर) ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है, कहे जा रहे प्रस्ताव पर मेरे हस्ताक्षर तो दूर की बात है। सरकार के सामने पावर टैरिफ बढ़ाने का कोई प्रस्ताव तक नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने बजट में पहले ही साफ़ कर दिया है कि बिजली की फ़ीस नहीं बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि बेवजह, इसने एक मुद्दा बना दिया है। सात लाइमस्टोन ब्लॉक के ई-ऑक्शन पर मुख्यमंत्री ने अपने भाषण का ज़िक्र किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर अपने पॉलिटिकल दोस्तों की किसी भी अटकल को खत्म करना चाहते हैं कि ये ब्लॉक किसी को नहीं दिए जाएंगे और केंद्र सरकार का इन पर कोई कंट्रोल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय माइंस मंत्रालय हमारी मदद कर रहा है, ताकि ब्लॉक ट्रांसपेरेंट तरीके से अलॉट हो सकें और जम्मू-करूमीर में माइनिंग का काम भी शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि लाइमस्टोन सीमेंट के लिए एक बहुत ज़रूरी रॉ मटेरियल है और कोशिश की जाएगी कि न सिर्फ़ माइनिंग का काम हो बल्कि आस-पास एक सीमेंट इंडस्ट्री भी लगाई जाए, जिससे बेरोज़गार युवाओं के लिए

नौकरियां पैदा करने में मदद मिल सके। केंद्रीय कोयला और माइंस मंत्री जी किशन रेड्डी, अब्दुल्ला और उनके डिप्टी सुरिंदर चौधरी ने यहां अनंतनाग, राजौरी और पुंछ जिले में सात लाइमस्टोन मिनरल ब्लॉक्स की पहली नीलामी शुरू की, जो 2015 में माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट के तहत शुरू किए गए माइनिंग सुधारों को आगे बढ़ाने में एक अहम कदम है।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में पहले एडमिशन पर भाजपा के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि बिना मेरिट के एमबीबीएस सीटें देने के किसी भी कदम के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी की ज़रूरत होगी।

अब्दुल्ला ने कहा कि संविधान में एक शब्द है, सेक्युलर, और अगर वे (भाजपा) देश को सेक्युलर नहीं रखना चाहते हैं, तो उन्हें पहले इस शब्द को हटा देना चाहिए। अनंतनाग, राजौरी और पुंछ ज़िलों में सात लाइमस्टोन ब्लॉक की ई-नीलामी के बाद रिपोर्टरों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि वह श्री माता वैष्णो देवी इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल एक्सीलेंस की पहली लिस्ट में एक खास समुदाय के ज़्यादातर कैंडिडेट्स के सिलेक्शन पर हो रहे सारे हंगामे को समझ नहीं पाए।

संक्षेप खबर

जम्मू-कश्मीर में 10 दिसंबर तक मौसम सूखा रहने का अनुमान

श्रीनगर, 24 नवंबर ।मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने जम्मू और कश्मीर में 10 दिसंबर तक मौसम सूखा रहने का अनुमान लगाया है और आने वाले दिनों में ज्यादा से ज्यादा और कम से कम तापमान में और गिरावट आने की उम्मीद है। मौसम विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार जम्मू-कश्मीर में कम से कम अगले पंद्रह दिनों तक यानी 10 दिसंबर तक मौसम आमतौर पर सूखा रहने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि 02 दिसंबर को बादल छाए रहने की उम्मीद है और कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। इसके अलावा उन्होंने अनुमान लगाया कि 03 से 10 दिसंबर तक मौसम सूखा रहेगा।हालांकि उन्होंने कहा कि तापमान में गिरावट जारी रहेगी। अगले सात दिनों में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की उम्मीद है।

एक परिवार के 12 सदस्य बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

श्रीनगर, 24 नवंबर। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के नौगाम गांव के एक परिवार के 12 सदस्यों को रविवार देर रात में बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों को शक है कि इसकी वजह फूड पॉइज़निंग हो सकती है। एक अधिकारी ने कहा कि सभी प्रभावित लोगों को पहले शुरुआती इलाज के लिए एनटीपीएचसी ले जाया गया और बाद में आगे की मेडिकल देखभाल के लिए जीएमसी हंदवाड़ा रेफर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि परिवार के सभी 12 सदस्य स्थिर हैं और उन्हें ज़रूरी इलाज मिल रहा है।

बिजली के खंभे से बोलेरो टकराने से आईसीडी के डिप्टी डायरेक्टर समेत चार लोग घायल

जम्मू, 24 नवंबर। सेंट्रल कश्मीर के बडगाम जिले के चटरगाम इलाके के सुथसू कलां में सोमवार को एक बोलेरो गाड़ी के बिजली के खंभे से टकराने से एक सीनियर सरकारी अधिकारी समेत चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों को पहले सीएचसी चटरगाम ले जाया गया और बाद में खास इलाज के लिए एसएमएचएस हॉस्पिटल श्रीनगर रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान आईसीडी के डिप्टी डायरेक्टर फैयाज अहमद के रूप में हुई है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दूसरे घायल की पहचान 40 साल के परिगाम के रहने वाले के रूप में हुई है, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। चौथे घायल की पहचान 36 साल के पुलवामा के रहने वाले के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि उनकी हालत स्थिर है। शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि बोलेरो गाड़ी सड़क से फिसलकर बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे लोग घायल हो गए। घटना की आगे की जांच शुरू कर दी गई है

कृषि में विज्ञान के माध्यम से खाद्यान्न उत्पादन में नए कीर्तिमान स्थापित किएः शिवराज

नई दिल्ली, 24 नवंबर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि में विज्ञान के माध्यम से हमने खाद्यान्न उत्पादन में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, परंतु छोटी जोत के किसानों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए चिंतन करने की आवश्यकता है। सोमवार को यहां पूसा परिसर में आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय सस्य विज्ञान कांग्रेस (आईएसी -2025) के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। तीन दिवसीय वैश्विक कार्यक्रम 26 नवंबर तक चलेगा। शिवराज सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि वे ऐसा अनुसंधान करें, जिससे आम किसानों को उसका लाभ मिलें। पोषणयुक्त खाद्यान्न की उपलब्धता के साथ किसानों की आजीविका सुरक्षित करने की आवश्यकता बताते हुए शिवराज ने कहा कि आज प्राकृतिक खेती को बढ़ाना आवश्यक है, हम सबको चिंता करना जरूरी है कि ये धरती कैसी सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि जैविक कार्बन, सूक्ष्म पोषक तत्व की मृदा में निरंतर कमी हो रही है। डायरेक्ट सीडेड राइस में समस्याएं आ रही है, उसमें मैकेनाइजेशन की आवश्यकता है। कार्बन क्रेडिट का लाभ किसानों को मिले, इसको कैसे सुनिश्चित करें, यह भी वैज्ञानिक देखें। कम पानी में खेती, ड्रोन का उपयोग, स्मार्ट कृषि, एआई, मशीन लर्निंग में छोटा और सीमांत किसान कैसे लाभ ले सकता है, इस पर सरकार और वैज्ञानिकों को साथ मिलकर काम करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पेपर लिखने पर रिसर्च करने से आगे बढ़कर किसान के लिए भी काम करना है। कृषि उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने की भी जरुरत है। विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों की जिन समस्याओं का पता लगा, उनका मिलकर समाधान ढूंढना है। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि देश में 46 प्रतिशत आबादी खेती पर निर्भर है, उनकी आय बढ़ाने के लिए देश प्रतिबद्ध है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुलिस कमांडो ट्रेनिंग सेंटर का दौरा किया

जम्मू, 24 नवंबर ।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को विभिन्न विशेष मॉड्यूल और अन्य गतिविधियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए जम्मू के सुंजवान क्षेत्र में जम्मू कश्मीर पुलिस के कमांडो प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया।

एक बयान के अनुसार उपराज्यपाल को प्रशिक्षुओं को परिचालन तैयारियों, विशेष आतंकवाद विरोधी और सामरिक प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया है कि उन्होंने सीटीसी में प्रशिक्षण ले रहे जम्मू-कश्मीर पुलिस कर्मियों से भी बातचीत की।

इसमें लिखा है एसएसपी

ट्रेनिंग एंड स्पेशल ऑपरेशंस ने प्रशिक्षण के विभिन्न घटकों और केंद्र के प्रस्तावित उन्नयन और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

उनके साथ पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, विशेष पुलिस महानिदेशक एसजेएम गिलानी, प्रमुख सचिव गृह चंद्राकर भारती, एडीजीपी मुख्यालय एमके सिन्हा, एडीजीपी मुख्यालय और निदेशक एसएसजी, आईजीपी जम्मू, मंडलायुक्त जम्मू और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्य सचिव द्वारा जम्मू-कश्मीर में संविधान दिवस मनाने की तैयारियों की समीक्षा

जम्मू, 24 नवंबर। चीफ सेक्रेटरी अटल डुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर में संविधान दिवस (संविधान दिवस) के बड़े जश्न की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए एक मीटिंग की अध्यक्षता की। 26 नवंबर 2025 को होने वाले आने वाले इवेंट, भारत के संविधान को अपनाने के 75वें साल के साल भर चलने वाले जश्न के आखिर में होंगे।

मीटिंग में प्रिंसिपल सेक्रेटरी, कल्चर और कमिश्नर सेक्रेटरी, गैड के अलावा सेक्रेटरी, स्कूल एजुकेशन; सेक्रेटरी, लॉ, मुबारक मंडी हेरिटेज सोसाइटी और दूसरे संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

रिव्यू के दौरान चीफ सेक्रेटरी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रशासन का मकसद संविधान के संदेश को

सरकारी हलकों से आगे ज़्यादा लोगों तक पहुंचाना है जिससे एक गहरा इमोशनल जुड़ाव पैदा हो और इसकी महान विरासत को जारी रखते हुए लोगों की भागीदारी को बढ़ावा मिले। चीफ सेक्रेटरी ने सभी डिपार्टमेंट को निर्देश दिया कि वे संविधान दिवस पर एक साथ और असरदार एक्टिविटीज़ करें।

26 नवंबर 2025 को मनाए जाने वाले इस दिन के लिए एक्शन प्लान के खास हिस्सों पर रोशनी डालते हुए कल्चर के प्रिंसिपल सेक्रेटरी बृज मोहन शर्मा ने फाइनल एक्शन प्लान के बारे में डिटेल्स दीं।

इसमें 'मास प्रिएंबल रीडिंग' भी शामिल है जो पूरे इलाके में प्रिएंबल की रीडिंग सुबह 11:00 बजे होगी जो नेशनल लेवल के प्रोग्राम के साथ सिंक्रोनाइज़ होगी। यह सभी सरकारी ऑफिस, स्कूल और कॉलेज में कॉन्स्टिट्यूशनली मान्यता प्राप्त भाषाओं में होगा। युवाओं और जनता को जोड़ने के लिए सभी डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर पर 'रन फॉर जस्टिस, लिबर्टी, इक्वालिटी एंड फेटरनिटी' नाम की एक स्पेशल दौड़ का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा स्कूल और कॉलेज कॉन्स्टिट्यूएंट असेंबली में महिला सदस्यों की भूमिका और योगदान पर फोकस करते हुए स्पेशल असेंबली होस्ट करेंगे। इसके अलावा, स्कूलों, पंचायतों और पब्लिक जगहों पर प्रिएंबल को दिखाने वाली वॉल आर्ट बनाई जाएगी। मिनिस्ट्री ऑफ़ पर्सनल, पब्लिक ग्रीवांसेज़ एंड पेंशन्स का एक वेबिनार भी शाम 4:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक तय है, जिसे सभी को यहाँ देखने के लिए कहा गया। साल भर चलने वाले कैंपेन (26 नवंबर 2024 - 26 नवंबर 2025) की प्रोग्रेस का रिव्यू करते हुए डुल्लू ने अब तक हासिल बड़े पैमाने पर आउटरीच पर संतोष जताया।

दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र का निधन, पुत्र सनी देओल ने दी मुखाग्नि

मुंबई, 24 नवंबर। भारतीय सिने जगत के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र का सोमवार सुबह यहां निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे।धर्मेन्द्र ने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वह कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका आज अपराह्न विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनकी पत्नी और जानी मानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, पुत्री इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान स्थल पर पहुंचे थे।

धर्मेन्द्र को अंतिम विदाई देने उनके दोस्त महानायक अमिताभ बच्चन तथा फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आज़मी

, गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे। मशहूर स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान भी उनके अंतिम संस्कार में पहुंचे।

धर्मेन्द्र को सांस लेने में दिक्कत के कारण 10 नवंबर को ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था और 12 नवंबर को परिवार के कहने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी।

परिवहन सचिव ने जम्मू-कश्मीर में पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने को कहा

जम्मू तवी, 24 नवंबर। ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी, अवनी लवासा ने सोमवार डिपार्टमेंट से जम्मू और कश्मीर में रजिस्टर्ड गाड़ी स्क्रैपिंग पॉलिसी को अच्छे से लागू करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से पॉलिसी के बारे में जागरूकता फैलाने और गाड़ी मालिकों को पॉलिसी के तहत बताए गए फायदों का फायदा उठाने के लिए बढ़ावा देने को कहा। सेक्रेटरी ने बड़े पैमाने पर पब्लिसिटी और अवेयरनेस कैंपेन के महत्व पर ज़ोर दिया, ताकि आम जनता, खासकर पुरानी, अनफिट गाड़ियों के मालिकों को रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज़ (आरवीएसएफ) के ज़रिए अपनी गाड़ियों को स्क्रैप करने के मौके के बारे में पूरी जानकारी मिल सके। इस बारे में जारी सरकारी आदेश में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में मोटर व्हीकल (रजिस्ट्रेशन और व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी के काम) नियम, 2021 को लागू करने के लिए गाइडलाइंस बताई गई हैं। इन गाइडलाइंस का मकसद पॉल्यूशन कम करना, रोड सेफ्टी बढ़ाना और ज़िम्मेदार व्हीकल रीसाइक्लिंग के ज़रिए सर्कुलर इकॉनमी को बढ़ावा देना है। यह पॉलिसी उन गाड़ियों के लिए है जो 15 साल या उससे ज़्यादा पुरानी हैं, साथ ही उन गाड़ियों के लिए भी जो एक्सीडेंट, आपदा या कुदरती टूट-फूट की वजह से सड़क पर चलने लायक नहीं हैं। गाड़ी के मालिक अपनी मर्ज़ी से अपनी गाड़ियों को रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी (आरवीएसएफ) में स्क्रैप कर सकते हैं और सर्टिफिकेट ऑफ़ डिपॉज़िट (सीओडी) पा सकते हैं, जो नई गाड़ियों की खरीद पर इंसेंटिव पाने के लिए एक ज़रूरी डॉक्यूमेंट होगा। स्क्रैप की गई गाड़ियों के मालिकों को फ़ाइनेंशियल इंसेंटिव का फ़ायदा मिलेगा, जिसमें रोड टैक्स में छूट (नॉन-ट्रांसपोर्ट गाड़ियों के लिए 26त्न तक और ट्रांसपोर्ट गाड़ियों के लिए 16त्न) शामिल है, अगर वे एक तय समय के अंदर नई गाड़ियाँ खरीदने का ऑप्शन चुनते हैं। ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी ने बताया कि रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने और एनवायरनमेंट पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए, एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन (गाड़ी की लाइफ खत्म होने पर) रूल्स, 2025 के हिसाब से, स्क्रैपिंग प्रोसेस को साइंटिफिक तरीके से किया जाएगा। इस पॉलिसी के लागू होने से गाड़ी स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग इंडस्ट्री में एक अच्छा बिज़नेस इकोसिस्टम बनने की उम्मीद है।

जम्मू कश्मीर सरकार 1 दिसंबर से बजट पर चर्चा शुरू करेगी

जम्मू तवी, 24 नवंबर। फाइनेंशियल ईयर 2026-27 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया के तहत, जम्मू और कश्मीर फाइनेंस डिपार्टमेंट 1 दिसंबर से बजट प्रस्तावों पर चर्चा शुरू करेगा।

एक कम्युनिकेशन में, फाइनेंस डिपार्टमेंट ने एडमिनिस्ट्रेटिव सेक्रेटरी को बताया है कि डिपार्टमेंट के साथ बजट पर चर्चा 1 दिसंबर से शुरू होगी।

फाइनेंस डिपार्टमेंट 16 दिसंबर, 2025 को यह प्रक्रिया खत्म होने से पहले 36 डिपार्टमेंट के साथ बातचीत करेगा। चर्चा में 2025-26 के रिवाइज्ड एस्टिमेट और 2026-27 के बजट एस्टिमेट दोनों शामिल होंगे, जिसमें सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीम (CSS), प्राइम मिनिस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम (PMDP) और लोन प्रोविजन जैसे रेवेन्यू और कैपिटल कंपोनेंट शामिल हैं।

कम्युनिक के अनुसार, डिपार्टमेंट्स को सलाह दी गई है कि वे बजट अनाउंसमेंट्स पर एक्शन टेकन रिपोर्ट्स (ATRs) (अगर कोई हो) के साथ-साथ एस्टैब्लिशमेंट बजट और FRBM की पूरी डिटेल्स चर्चा की तय तारीख से बहुत पहले फाइनेंस डिपार्टमेंट को दें।

तीनों सेनाओं के बीच तालमेल सशस्त्र बलों की असली ताकत : सेना प्रमुख

मुंबई 24 नवम्बर। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने जल, थल और वायु सेनाओं में बेहतर तालमेल को सशस्त्र बलों की असली ताकत करार देते हुए कहा है कि भविष्य के युद्ध एक साथ तीनों रणक्षेत्रों में लड़े जाएंगे और ऑपरेशन सिंदूर सेनाओं के बीच एकीकरण का शानदार उदाहरण है। जनरल द्विवेदी ने सोमवार को मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में देश में ही विकसित और डिजाइन पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस माहे को नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने के अवसर पर आयोजित समारोह में कहा कि आईएनएस माहे का नौसेना के बेड़े में शामिल होना न सिर्फ़ नौसेना की ताकत को बढाता है बल्कि यह स्वदेशी प्रौद्योगिकी के बल पर जटिल युद्धपोत

को डिज़ाइन करने, बनाने और फील्ड में उतारने की भारत की बढ़ती क्षमता को भी दिखाता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि इस जहाज़ के शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्र में दबदबा बढाने, तटीय सुरक्षा ग्रिड को मज़बूत करने और तटीय इलाकों में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में काफ़ी बढ़ोतरी होगी। तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण पर बल देते हुए उन्होंने कहा , सशस्त्र बलों की ताकत ज़मीन, समुद्र और हवा में तालमेल में है, और भविष्य के संघर्ष कई तरह के क्षेत्रों में होंगे और इसके लिए एकजुट राष्ट्रीय प्रयास की ज़रूरत होगी।फ्र ऑपरेशन सिंदूर को मिलकर काम करने का एक मॉडल बताते हुए उन्होंने दुनिया भर में मानवीय सहायता अभियानों और पानी तथा ज़मीन पर ऑपरेशन में सेना तथा नौसेना की की लंबे समय से चली आ रही साझेदारी पर भी ज़ोर दिया। नौसेना की पश्चिमी कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की मेजबानी में हुए समारोह की अध्यक्षता जनरल द्विवेदी ने की।

काटरेग्राफर

क्रिएटिविटी से जुड़ा भविष्य

अगर आपकी सोच कुछ सृजनात्मक है, आप चीजों को नए ढंग से सोच सकते हैं तो आपके लिए काटरेग्राफर की दुनिया में करियर बनाना आसान है। डिमांड के अनुसार इस फील्ड में ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए स्कोप भी बढ़े हैं, लेकिन यह केवल उन्हीं के लिए है, जो अपने विषय के साथ-साथ इसमें प्रयोग होने वाली नई टेक्नोलॉजी में भी पूरी तरह से निपुण हैं

➔क्या है काटरेग्राफर

काटरेग्राफर साइंटिफिकल, टेक्नोलॉजिकल और ज्योग्राफिकल इनफॉग्रेशन को डायग्राम, चार्ट, स्प्रेडशीट और मैप के रूप में पेश करता है।

➔योग्यता

काटरेग्राफर बनने के लिए बैचलर ऑफ काटरेग्राफी करनी होती है। उन्हें अपनी बीएससी या बीटेक में एक विषय काटरेग्राफी रखना चाहिए। अगर आप काटरेग्राफर बनना चाहते हैं तो आपको इससे संबंधित डिग्री या डिप्लोमा कोर्स जरूर करना चाहिए। काटरेग्राफी में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं, जिसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक है।

➔व्यक्तिगत गुण

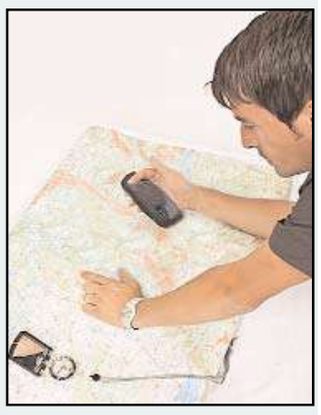

इस फील्ड में करियर बनाने वाले को कम्प्यूटर का अच्छा ज्ञान होना जरूरी है। एक काटरेग्राफर को ज्योग्राफी और एनवायरनमेंट का बेसिक नॉलेज होना बहुत जरूरी है। जिन लोगों में डिजाइनिंग का सेंस होता है, वे किसी फोटोग्राफ और ड्राइंग को बारीकी से समझकर मैप आसानी से क्रिएट कर सकते हैं। काटरेग्राफी फील्ड में आगे बढ़ने के लिए मैथमेटिकल स्किल्स और रिसर्च वर्क भी आना चाहिए। उनमें विजुअलाइजे शन, पेशेंस, हार्डवर्क और काम को लेकर डेडिकेशन जैसी काबिलियत भी होनी चाहिए। काटरेग्राफर अपने क्लाइंट की डिमांड के हिसाब से मैप तैयार करता है। इसके अलावा, ये मैप्स डिजिटल और ग्राफिक, दोनों में बनाए जा सकते हैं। कम्प्यूटर स्किल्स के अलावा इस फील्ड में कार्य करने वाले को ज्योग्राफिकल इनफाम्रेशन सिस्टम और डिजिटल मैपिंग की तकनीकी जानकारी रखनी होती है।

➔कार्य की प्रकृति

काटरेग्राफर मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की सरकारी एजेंसियों, रक्षा मंत्रालय, संरक्षण ट्रस्टों और कंपनियों, सव्रेयर और प्रकाशन कंपनियों के लिए काम करते हैं। इनका काम काफी जिम्मेदारियों से भरा होता है। काम के मुताबिक उन्हें अपना आउटपुट देना होता है। ये मिलिट्री, ज्योग्राफिकल, हिस्टोरिकल, एजुकेशनल, पॉलिटिकल या टूरिस्ट्स का रोड मैप तैयार करते हैं।

➔कहां हैं नौकरियां

मैप का इस्तेमाल एक इंडिविजुअल से लेकर इंडस्ट्रियल पर्पज तक के लिए किया जाने लगा है, इसलिए प्लानर्स, यूटिलिटी कंपनियों, स्टेट एजेंसीज, कंस्ट्रक्शन कंपनियों, सव्रेयर्स, आर्किटेक्ट्स- सभी को काटरेग्राफर की जरूरत पड़ती है। इस तरह वेदर फोरकास्टिंग, ट्रैवल एंड टूरिज्म, ज्योलॉजिकल, मिनरल एक्सप्लोरेशन, मिलिट्री डिपार्टमेंट, पब्लिशिंग हाउसेज में जबकि अच्छे मौके हैं, जहां पर मैपिंग तकनीशियन, मैप लाइब्रेरियन, भौगोलिक सूचना पग्राली अधिकारी, भूविज्ञानी, भूभौतिकीविद्, ग्राफिक डिजाइनर, जल सव्रेक्षण सव्रेयर, भूमापक सॉफ्टवेयर इंजीनियर आदि के पदों पर नौकरी की तलाश कर सकते हैं।

➔वेतन

शुरुआती दौर में इसमें 15 से 20 हजार रुपये महीने आसानी से कमाये जा सकते हैं। हालां कि यह संस्थान पर काफी निर्भर करता है। इस क्षेत्र में विदे श में भी अच्छी मांग है।

➔संस्थान

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
मद्रास विविद्यालय, चेन्नई
पंजाब विविद्यालय, चंडीगढ़
उस्मानिया विविद्यालय, हैदराबाद
नेशनल एटलस एंड थीमैटिक मैपिंग ऑर्गनाइजेशन, कोलकाता

बनाइए फ्लावर मेकिंग में फ्यूचर

फ्लावर मेकिंग का काम आप 25 से 30 हजार रूपए में शुरू कर सकते हैं। अगर आप बड़े स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते हैं, तो आपको उसी हिसाब से पैसे खर्च करने पड़ेगे। वैसे दो लाख रूपए में यह काम काफी बड़े स्तर पर खोला जा सकता है...

आज हाथ से बने फूलों की डिमांड इसलिए और अधिक रहती है, योंकि वे अधिक दिनों तक ताजा दिखते हैं। ऐसे में जहां कई दिनों तक या लगातार सजावट की जरूरत होती है, वहां हाथ से बने फूलों की अहमियत बढ़ जाती है। इसके अलावा ये फूल झड़ते नहीं हैं, जिससे गंदगी नहीं फैलती। इन्हीं सब कारणों के चलते फ्लावर मेकिंग एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है। डेकोरेशन की बढ़ती मांग और असली फूलों की कमी के चलते आर्टिफिशियल यानी मशीनों व हाथ से बने फूलों का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में फ्लावर मेकिंग को आप आजीविका का बेहतर साधन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इस फील्ड के बारे में-

जानें फ्लावर मेकिंग को

फ्लावर मेकिंग एक हस्तकला है, जिसमें कोई भी हाथों से तरह-तरह के फूल बना कर बाजार में सप्लाई कर सकता है। इन्हें बनाने के लिए मोती, टिशु पेपर, रिबन, ऑरगेंजा यानी कपड़ा और साटन का इस्तेमाल होता है। इनका उपयोग सजावट के अलावा गिफ्ट पैकिंग, एनवलप मेकिंग, बुके और गुलदस्ते बनाने में भी होता है।

जगह का चुनाव

फ्लावर मेकिंग का काम आप एक छोटे-से कमरे में भी कर सकते हैं, लेकिन अगर आप इस काम को बड़े स्तर पर करना चाहते हैं, तो आपको एक हॉल की जरूरत पड़ सकती है। अगर आप शोरूम बनाएंगे तो आपके काम में इजाफा होगा। हाउसहोल्ड काम होने के कारण आप इसे इंडस्ट्रियल या नॉन इंडस्ट्रियल एरिया में कहीं भी खोल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखें कि आपको कच्चा माल लाने और तैयार माल भेजने में कोई दिक्कत न हो।

क्या है लागत

फ्लावर मेकिंग का काम आप 25 से 30 हजार रुपए में शुरू कर सकते हैं। अगर आप बड़े स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते हैं, तो आपको उसी हिसाब से पैसे खर्च करने पड़ेंगे। वैसे दो लाख रुपए में यह काम काफी बड़े स्तर पर खोला जा सकता है। काम की तरक्की के लिए अगर आप शोरूम खोलना चाहते हैं या फिर फ्लावर मेकिंग के साथ डेकोरेशन का काम भी शुरू करना चाहते हैं, तो आपको उसी हिसाब से खर्चा करना पड़ेगा। यानी स्तर के हिसाब से लागत बैठेगी।

तैयार माल की बिक्री

आप अपने द्वारा निर्मित फूलों को यूं तो फूलों के बाजारों में बेच सकते हैं, मगर अच्छी बिक्री के लिए आपको कुछ खास सेलिंग प्वाइंट्स पर कांटे ट करने कीजरूरत पड़ेगी। ये सेलिंग प्वाइंट होटल, डेकोरेटर, मॉल और रेस्तरां और बड़े-बड़े शोरूम हो सकते हैं।

कैसी है आमदनी

फ्लावर मेकिंग में आमदनी आपकी कार्यक्षमता और मार्केटिंग, दोनों पर निर्भर करती है। छोटे स्तर पर शुरू करते हैं, तो भी प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपए या इससे अधिक कमा सकते हैं। बड़े स्तर के काम और मार्केट में पकड़ है तो आप 25-30 हजार रुपए से साठ हजार रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। अगर आप डेकोरेशन का काम भी साथसाथ करते हैं, तब आपकी इन्कम और भी अधिक हो सकती है।

प्रशिक्षण अवधि

अधिकतर संस्थानों में एक सप्ताह से एक महीने का कोर्स होता है। किसी में तीन महीने का भी कोर्स मौजूद है, जबकि कुछ संस्थान इसी में डेकोरेशन और फ्लावर मेकिंग से संबंधित हस्तकला शिल्प के हुनर सिखाते हैं। यह कोर्स एक साल का होता है। खादी ग्रामोद्योग द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान क्राफ्ट एंड सोशल डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन में एक सप्ताह से एक माह तक के कोर्स कराए जाते हैं।

जरूरी योग्यता

वैसे तो आपका साक्षर होना पर्याप्त है, लेकिन कुछ संस्थान 10वीं और कुछ संस्थान 12वीं पास होना अनिवार्य मानते हैं। आप अपनी क्वालिफिकेशन, फीस देने की कैपेसिटी और जरूरत के हिसाब से प्रवेश ले सकते हैं।

कैसे लें प्रशिक्षण

खादी ग्रामोद्योग से मान्यता प्राप्त केंद्र से प्रशिक्षण लेने के लिए आपको प्रॉस्पे टस खरीदना होगा। इसके अतिरिक्त आप किसी स्थापित फर्म में नौकरी करके भी अनुभव बटोर सकते हैं।

नये मौकों की राह है फिजिकल साइंस

'बीएससी इन फिजिकल साइंस' नाम से जाना जाने वाला कोर्स छात्रों को एमएससी स्तर पर साइंस की विभिन्न शाखाओं में जाने की राह तो दिखाता ही है, उन्हें स्नातक करने के बाद करियर की अलग-अलग दिशाओं में जाने की भी राह दिखाता है। अगर साइंस ग्रेजुएट बनकर नौकरी करने की इच्छा है तो यह कोर्स ऐसे छात्रों के लिए अच्छा विकल्प है, हालांकि इस कोर्स को करने के बाद एमएससी में भी एडमिशन लिया जा सकता है

अगर स्नातक स्तर पर साइंस की विभिन्न शाखाओं के बीच विचरण करना चाहते हैं, फिजिक्स के साथ-साथ रसायनशास्त्र और गणित जैसे विषयों को पढ़ने की तमन्ना है तो ऐसे छात्रों के लिए दिल्ली विविद्यालय का 'बीएससी इन फिजिकल साइंस' एक बेहतर विकल्प है। जनरल साइंस के रूप में लंबे अरसे तक चलने वाला यह कोर्स अब नाम बदलकर फिजिकल साइंस में तब्दील हो गया है। चार वर्षीय कोर्स में इसे खत्म कर दिया गया था लेकिन तीन वर्षीय कोर्स में यह फिर से बहाल हो गया है । अब इसे बीएससी इन फिजिकल साइंस के नाम से जाना जाता है । यह कोर्स छात्रों को एमएससी स्तर पर साइंस की विभिन्न शाखाओं में जाने की राह तो दिखाता ही है, उन्हें स्नातक करने के बाद भी करियर की अलग-अलग दिशाओं में जाने की राह भी दिखाता है। अगर साइंस ग्रेजुएट बनकर नौकरी करने की इच्छा है तो यह कोर्स ऐसे छात्रों के लिए अच्छा विकल्प है।

कैसा है कोर्स

यह कोर्स साइंस का मिला-जुला कोर्स है, जो बारहवीं तक भौतिकी, गणित, रसायनशास्त्र और कंप्यूटर साइंस जैसे विषय पढ़ने वाले छात्रों को आगे भी विभिन्न विषयों को पढ़ने की छूट देता है। इसमें छात्र भौतिकी और गणित को मुख्य पेपर के रूप में तीनों साल तो पढ़ते ही हैं। इसके अलावा, विकल्प के रूप में एक और पेपर को भी तीनों साल पढ़ना होता है। इसमें छात्रों को कई च्वाइस

दी जाती है। मसलन, कोई चाहे तो तीन सालों तक भौतिकी और गणित के साथ-साथ रसायनशास्त्र को मुख्य पेपर के रूप चुन सकता है। जो छात्र रसायनशास्त्र नहीं रखना चाहता उसे इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में से किसी एक को मुख्य पेपर के रूप में चुनने की छूट मिलती है। तीन साल में तीन विषयों के अलावा कई और पेपर भी पढ़ने होते हैं। छात्रों को अब टेक्नीकल राइटिंग एंड कम्युनिकेशन यानी अंग्रेजी का एक पेपर पहले साल पढ़ना होता है। इसके अलावा, कंप्यूटेशनल स्किल का एक पेपर और दूसरे साल में इंट्रोडक्शन टू बायोलॉजी और फिर सोलहवें पेपर के रूप में बायोलॉजी पढ़ना होता है। तीन सालों में कुल 24 पेपर पास करना होता है। छात्रों को कंकरेंट कोर्स के तहत भी दो पेपर चुनने होते हैं। अगर किसी ने फिजिकल साइंस में भौतिकी और गणित के अलावा रसायनशास्त्र के छह पेपर चुने हैं तो उसे कंप्यूटर साइंस से या इलेक्ट्रॉनिक्स से दो कंकरेंट पेपर का चुनाव करना होता है। इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक या कंप्यूटर साइंस से छह पेपर चुनने वालों को दो कंकरेंट पेपर का चुनाव करना होता है। दिल्ली विविद्यालय में पहले इस कोर्स की पढ़ाई करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा यानी एमएससी करने में खासी दिक्कत आती थी। उन्हें ऑनर्स कोर्स के मुकाबले काफी नीचे रखा जाता था लेकिन अब एमएससी में प्रवेश परीक्षा होने के कारण इस कोर्स के छात्र वहां एडमिशन पा लेते हैं। यह कोर्स छात्रों को तीन विषयों को पढ़ने का व्यापक नजरिया प्रदान करता है। यहां किसी एक विषय के इर्द-गिर्द ही चक्कर काटना नहीं होता। इसमें तीन पेपर पर ज्यादा जोर देने से छात्रों को एमबीए और आईएएस परीक्षा की तैयारी में काफी मदद मिलती है।

शाखाएं

इसमें मुख्य रूप से बीएससी इन फिजिकल साइंस तो है ही। इसके अलावा, स्पेशलाइज्ड पेपर चुनने पर फिजिकल साइंस विद् कंप्यूटर साइंस और फिजिकल साइंस विद् इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी चीजें भी आकर जुड़ जाती हैं।

दाखिला कैसे

डीयू के कॉलेजों में इस कोर्स में दाखिला बारहवीं की मेरिट के आधार पर दिया जाता है। साइंस के छात्रों के लिए बारहवीं में भौतिकी, गणित और रसायनशास्त्र पढ़ा होना जरूरी है तभी उसे दाखिला दिया जाता है। दाखिले का कट ऑफ ऑनर्स कोर्स के मुकाबले नीचे होता है। चार लिस्ट के बाद दिल्ली विविद्यालय में अब गिने-चुने कॉलेजों में ही इस कोर्स में दाखिले के मौके बचे हैं।

अवसर कहां

स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद छात्रों को आगे की शिक्षा के लिए किसी न किसी क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड होना पड़ता है। यह कोर्स जनरल साइंस है, इसलिए आगे बढ़ने का विकल्प थोड़ा कठिन होता है। लेकिन बहुत सारे छात्र इन बाधाओं को पारकर मौका पाते हैं। सामान्य तौर पर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होकर बैंक व अन्य निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में नौकरी कर सकते हैं। सरकारी क्षेत्र की ओर देखें तो यूपीएससी की सिविल सेवा की परीक्षा में सफल होकर आईएएस, आईपीएस बन सकते हैं। बैंकिंग सेक्टर में भी जा सकते हैं। एमबीए या एमसीए कर सकते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में लैब असिस्टेंट के रूप में कार्य कर सकते हैं। स्कूलों में साइंस के शिक्षक बन सकते हैं।

वेतन

सामान्य रूप से स्नातक की डिग्री लेकर नौकरी की तलाश करने पर किसी संस्थान में शुरुआती तौर पर 25 से 30 हजार रुपये की नौकरी मिल जाती है। उच्च शिक्षा यानी एमएससी के बाद कॉलेज शिक्षण और रिसर्च एसोसिएट के रूप में वेतनमान शुरुआती तौर पर 40 से 45 हजार रुपये हैं। साइंस शिक्षक के रूप में कोचिंग संस्थान खोलकर स्वरोजगार भी कर सकते हैं।

संस्थान

इस कोर्स की पढ़ाई दिल्ली विविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में होती है। करीब 25 ऐसे कॉलेज हैं जहां अलग-अलग रूपों में फिजिकल साइंस चल रहा है। इसके अलावा, दूसरे विविद्यालय भी जनरल सांइस के छात्रों को अपने यहां साइंस ग्रेजुएट बनाने के लिए यह कोर्स चला रहे हैं-

- दिल्ली विविद्यालय, दिल्ली
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विविद्यालय, नई दिल्ली
- आगरा विविद्यालय, आगरा
- महर्षि दयानंद विविद्यालय, रोहतक
- चौधरी चरण सिंह विविद्यालय, मेरठ

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जनपद में प्रत्येक पीड़ित की शिकायत सुन, समाधान करें डीएम-एसएसपी : मुख्यमंत्री

लखनऊ, 24 नवंबर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 52 से अधिक फरियादी पहुंचे। सीएम योगी हर फरियादी के पास स्वयं पहुंचे, उनकी समस्याएं सुनीं और निराकरण के निर्देश दिए। सीएम ने सभी जिलाधिकारियों और एसएसपी को निर्देशित किया कि वह पीड़ितों की शिकायतें सुनकर जनपद में ही उनका निस्तारण कराएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा, उन्हें चॉकलेट दी और कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ाई करो।

*पीड़ितों की शिकायतें सुनकर निर्धारित समयावधि में कराएं समाधान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान आर्थिक सहायता, अवैध कब्जे, बिजली,

शिक्षा, पुलिस आदि से जुड़ी शिकायतों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों सहित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वह जनपद स्तर पर सभी फरियादियों की शिकायतें सुनकर उनका निराकरण कराएं। जिलाधिकारी देखें कि जनपदों में सभी विभागों के द्वारा पीड़ितों की शिकायतें सुनकर निर्धारित समयावधि में समाधान कराया जाए।

आमजन की सेवा-सुरक्षा ही सरकार का संकल्प

'जनता दर्शन' में गोरखपुर, शामली, झांसी, कन्नौज आदि जनपदों से पीड़ित पहुंचे थे। सभी ने अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। जिस पर सीएम योगी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की सेवा और सुरक्षा ही सरकार का संकल्प है। सरकार हर जरूरतमंद की सहायता के लिए खड़ी है। सरकार के स्तर पर प्रदेशवासियों की हर उचित परेशानी का निरंतर निदान कराया जा रहा है और आगे भी कराया जाता रहेगा।

बच्चों को दी चॉकलेट, पढ़ाई के बारे में भी पूछा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी से नाम पूछा, चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ने करने को कहा। सीएम ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद भी दिया।

जेएमसी ने वार्ड 68 में तालाब के जीर्णोद्धार स्थापना के साथ जल संरक्षण के प्रयासों को आगे बढ़ाया

जम्मू, 24 नवंबर (हि.स.)। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) शहर भर में पारंपरिक जल निकायों की सुरक्षा, पुनर्स्थापन और कायाकल्प के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इसी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए आज वार्ड नंबर 68, ग्रेटर कैलाश (लेन नंबर 27) में शिव मंदिर के पास प्राचीन जल तालाब के संरक्षण के लिए आधारशिला रखकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

समारोह का नेतृत्व जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव की गरिमामय उपस्थिति में विधायक डॉ. नरेंद्र सिंह ने किया। विधायक डॉ. नरिंदर सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए समुदाय से पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। आज के समय में जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने निवासियों को भूजल स्तर में सुधार करने में मदद करने के लिए वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी से स्थायी प्रथाओं में योगदान देने का आग्रह किया जो प्राकृतिक जल संसाधनों की दीर्घायु सुनिश्चित करते हैं। वार्ड के लिए विकासात्मक पहल के तहत, आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने विभिन्न स्थानों पर स्थापना के लिए 300 स्ट्रीट लाइटें भी सौंपीं।सभा को संबोधित करते हुए डॉ. यादव ने पारंपरिक तालाबों के गहरे सांस्कृतिक और पारिस्थितिक महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि इन जल निकायों ने ऐतिहासिक रूप से आवश्यक सामुदायिक संसाधनों के रूप में कार्य किया है। उन्होंने जेएमसी के समर्पण की पुष्टि की।

रणविजय सिंह ने विश्व चैंपियन निशानेबाज रविंदर सिंह को सम्मानित किया

जम्मू, 24 नवंबर (हि.स.)। डोगरा शाही परिवार के राजकुमार रणविजय सिंह ने मिस्र में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाले रविंदर सिंह के लिए हरि निवास पैलेस में एक सम्मान समारोह की मेजबानी की। राजकुमार रणविजय सिंह, राजकुमारी आदिश्री सिंह, स्मृति सिंह और फराध के साथ ने कहा कि रविंदर के स्वर्ण ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है।

एक गौरवान्वित डोगरा के रूप में उनका समर्पण अखिल भारतीय की भावना का उदाहरण है और हमारे युवाओं के लिए एक चमकदार उदाहरण स्थापित करता है।

उन्होंने भारतीय सेना की बटालियन में रविंदर की सेवा पर भी प्रकाश डाला जो उनके पूर्वज, महान डोगरा महाराजा गुलाब सिंह द्वारा स्थापित एक इकाई थी। राजकुमार ने कहा, रविंदर दूरदराज के गांव दब्बरबिश्नाह से है जहां सीमित सुविधाएं हैं फिर भी वह विश्व चैंपियन बन गया है।

रविंदर सिंह ने राजकुमार रणविजय सिंह डोगरा शाही परिवार को धन्यवाद दिया उन्होंने कहा कि मैं इस जीत का श्रेय अपने परिवार, सेना और डाबरबिश्नाह के लोगों को देता हूं। डोगरा शाही परिवार से मिली यह मान्यता मुझे और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है। दब्बरबिश्नाह के पूर्व सरपंच अजीत सिंह चरक ने भी शाही परिवार को धन्यवाद दिया। हम इस सम्मान से अभिभूत हैं। रविंदर की सफलता हमारे गांव और उससे बाहर के युवाओं को प्रेरित करती है।

परेशान बैंक के जमाकर्ताओं ने भाजपा से हस्तक्षेप की मांग की

जम्मू, 24 नवंबर (हि.स.)। पीड़ित नागरिकों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल, जिनकी जम्मू और कश्मीर राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास (एससीएआरडी) बैंक में सभी परिपक्व सावधि जमा (एफडी) और आवर्ती जमा (आरडी) का भुगतान 31 मार्च, 2025 से रोक दिया गया है, ने अपनी शिकायतों के निवारण के लिए जम्मू के त्रिकुटा नगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में प्रदेश प्रधान सत शर्मा से मुलाकात की और उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा, पार्टी के महासचिव संजीता डोगरा और गोपाल महाजन के साथ उनकी शिकायतों को विस्तार से सुना। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विस्तार से बताया कि कैसे जम्मू क्षेत्र में लगभग 15,000 जमाकर्ताओं, जिनमें से कई वरिष्ठ नागरिक, किसान और मध्यमवर्गीय परिवार हैं को उनकी मेहनत की कमाई की लगभग 200 करोड़ की बचत से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने गहरी पीड़ा व्यक्त की कि बैंक अधिकारियों, सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (जेएंडके) और संबंधित सरकारी कार्यालयों को बार-बार सूचित करने के बावजूद, उनकी दलीलें अनसुनी कर दी गई हैं।

आनंद नगर बोहरी में गुरु तेग बहादुर जी का 350वां बलिदान दिवस मनाया गया

जम्मू, 24 नवंबर (हि.स.)। एसएसके संजीवनी शारदा केंद्र, आनंद नगर बोहरी में गुरु तेग बहादुर जी का 350वां बलिदान दिवस मनाया गया जिसमें आस्था और मानवता की स्वतंत्रता के लिए गुरु साहिब द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करने के लिए श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां बलिदान दिवस मनाया गया।

गुरु तेग बहादुर को हिंद की चादर के रूप में संदर्भित करते हुए मुख्य अतिथि पंजाब के प्रसिद्ध शिक्षाविद और राजनीतिक नेता प्रोफेसर गुरविंदर सिंह जी ने कहा कि गुरु साहिब ने अपार आध्यात्मिक और नैतिक शक्ति का प्रतीक है। बचपन में उनके पिता द्वारा उन्हें उपहार में दिया गया रूमाल और तलवार बाद में हिंद की चादर का स्थायी प्रतीक बन गया।

अपनी तलवार के साथ वह धर्म और मानवता की रक्षा में खड़े रहे और अंततः सत्य और धार्मिकता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। मुख्य अतिथि ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और शिक्षाओं से कई प्रेरक उपाख्यान साझा किए। मार्तण्ड (कश्मीर) के प्रतिष्ठित कश्मीरी पंडित विद्वान पंडित किरपा राम दत्त को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्य अतिथि ने गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोबिंद सिंह जी के साथ उनके गहरे जुड़ाव को याद किया।

विशिष्ट अतिथि अवतार सिंह जी खालसा (पूर्व डीजीपीसी महासचिव) ने कहा कि जैसा कि राष्ट्र इस ऐतिहासिक 350वें बलिदान दिवस को मना रहा है श्री गुरु तेग बहादुर जी की विरासत आशा और नैतिक साहस की किरण के रूप में चमक रही है। उनकी शिक्षाएँ कालजयी हैं और समाज के निर्माण के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करती हैं।

गांदरबल में हाईवे पर स्टंट करने वाले 9 किशोर हिरासत में

जम्मू, 24 नवंबर (हि.स.)। गांदरबल पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर खतरनाक बाइक स्टंट करने वाले नौ किशोरों को हिरासत में ले लिया है। रविवार को मॉडल नाका चिनार पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान ये युवक स्टंट करते हुए पकड़े गए।

पुलिस के अनुसार इस तरह के स्टंट न केवल उनकी जान बल्कि राजमार्ग से गुजरने वाले अन्य यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

अभियान के दौरान पाँच मॉडिफाइड मोटरसाइकिलें ज़ब्त की गईं जिन पर पीछे के नंबर प्लेट छुपाए गए थे—जो मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन है और पहचान छिपाकर स्टंट करने के लिए अक्सर इस्तेमाल किया जाता है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए किशोरों को काउंसलिंग के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा और भविष्य में ऐसी हरकत न दोहराने को लेकर गुड बिहेवियर बॉन्ड भरवाया जाएगा। पुलिस ने अभिभावकों से बच्चों पर नज़र रखने की अपील की है और युवाओं से आग्रह किया है कि वे अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालने वाले ऐसे खतरनाक स्टंट से दूर रहें।

जीडीसी महानपुर ने जीसीएच लास वेगास अमेरिका के सहयोग से ब्रेन ब्रेक का आयोजन किया

कठुआ, 24 नवंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर ने ग्लोबल कम्युनिटी हेल्थ संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से ब्रेन ब्रेक इनिशिएटिव के अंतर्गत कई गतिविधियों का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. रूपाली जसरोटिया, विभागाध्यक्ष अंग्रेजी और प्रो. बिंती शर्मा (विभागाध्यक्ष भौतिकी) द्वारा प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता सूदन के मार्गदर्शन में किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में ब्रेन ब्रेक के महत्व पर प्रकाश डाला। एक इंटरैक्टिव ब्रेन ब्रेक गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सेमेस्टर के छात्रों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्राचार्य ने बताया कि प्रतिभागियों ने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का जश्न मनाते हुए खुशी और उत्साह के साथ ब्रेन ब्रेक का आयोजन किया। ये ब्रेन ब्रेक सत्र छात्रों और शिक्षकों दोनों के बीच तनाव कम करने, एकाग्रता में सुधार लाने और न्यूरो-हार्मोनल अनुकूलन को बढ़ाने में मदद करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। गौरतलब हो कि प्रिंसिपल प्रोफेसर संगीता सूदन के नेतृत्व में प्रतिष्ठित ब्रेन ब्रेक प्रोजेक्ट को पिछले साल राष्ट्रीय खेल दिवस पर यानी 29 अगस्त 2024 को प्रोफेसर (डॉ.) मिंग-काई चिन (जीसीएच के संस्थापक) और कॉलेज के पूर्व शारीरिक निदेशक डॉ. जोगबिंदर सिंह सूदन की पहल पर लागू किया गया था। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की परंपरा को जारी रखने के लिए, कॉलेज में नियमित रूप से ब्रेन ब्रेक का आयोजन किया गया। यह एक पंजाबी ब्रेन ब्रेक था जिसे कॉलेज की छात्रा अक्षु और मंजू ने तैयार किया था। विभिन्न सेमेस्टर के 50 से अधिक छात्रों ने इसमें भाग लिया।

जीडीसी हीरानगर ने खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया

कठुआ, 24 नवंबर (हि.स.)। तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान पहल के अनुरूप् जीएलडीएम राजकीय महाविद्यालय हीरानगर ने शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नशे की लत के हानिकारक प्रभावों और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। यह प्रतियोगिता शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रोफेसर बलबीर सिंह, डॉ. पिंकी शर्मा और प्रोफेसर गंगा के संयोजन में आयोजित की गई। यह छात्रों के जीवन में स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और खेलों के महत्व का संदेश फैलाने के लिए डिजाइन की गई सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों की एक श्रृंखला का हिस्सा थी।

संविधान हमारी स्वतंत्रता और समानता का गारंटर है, विषय पर संगोष्ठी आयोजित

कठुआ, 24 नवंबर (हि.स.)। जीडीसी हीरानगर की चुनावी साक्षरता क्लब ने महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग और एनएसएस इकाई के सहयोग से संविधान दिवस 2025 के उपलक्ष्य में संविधान हमारी स्वतंत्रता और समानता का गारंटर है विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में लगभग 12 छात्रों ने स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांतों की रक्षा में भारतीय संविधान के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. रजनी बाला डॉ. फारूक अहमद भट और प्रो. शिवानी सलाथिया की एक विशेषज्ञ जूरी ने उनकी प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया

जिन्होंने प्रतिभागियों का विषयवस्तु, उच्चारण और उच्चारण के आधार पर मूल्यांकन किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने प्रतिभागियों की गहन और सुस्पष्ट प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने छात्रों और कर्मचारियों, दोनों से संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने और भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने को मजबूत करने के लिए इन आदर्शों को व्यापक समुदाय में प्रसारित करने का आग्रह किया।

इसके बाद कॉलेज की एनएसएस पीओ प्रो. शापिया शमीम ने समापन भाषण दिया। उन्होंने सामूहिक सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को आगामी पहलों में और अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान, चिन्मय शर्मा, मोहित शर्मा और अंशिका वर्मा ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर बलविंदर कौर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जबकि कार्यक्रम का संचालन ईएलसी के सह-संयोजक डॉ. विजय कुमार ने किया।

पुलिस ने 2012 से वांछित भगोड़े को पकड़ा

रियासी,24 नवंबर (हि.स.)। एक बड़ी सफलता में जिला पुलिस रियासी ने आज एक लंबे समय से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जो एक दशक से अधिक समय से कानून प्रवर्तन से बच रहा था। एक भगोड़ा, शब्बीर अहमद पुत्र फरीद अहमद निवासी कुट्ठा मोड़, कठुआ ए/पी भटिंडी, पुलिस स्टेशन पौनी की एफआईआर संख्या 55/2012 के मामले में धारा 299 सीआरपीसी (अब धारा 335 बीएनएसएस) के तहत भगोड़ा घोषित किया गया था जिसे पुलिसस्टेशन पौनी की एक समर्पित टीम द्वारा पकड़ा गया था। आरोपी धारा 302, 307, 458, 366, 382, 147, 148, 323, 376, 120-बी आरपीसी के तहत दर्ज गंभीर आपराधिक मामले में वांछित था। उनकी अनुपस्थिति में मामले का चालान पेश होने के बाद 19-10-2012 को सीजेएम रियासी की माननीय अदालत द्वारा उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए आरोपी जानबूझकर वर्षों तक गिरफ्तारी से बचता रहा।

पवन शर्मा ने चंद्रभागा क्षेत्र की सरकारी उपेक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त की

जम्मू, 24 नवंबर (हि.स.)। भाजपा के राज्य सचिव और जिला डोडा के प्रभारी पवन शर्मा ने चंद्रभागा की निरंतर उपेक्षा पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

वर्तमान उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा क्षेत्र (तत्कालीन डोडा जिला)। आज जारी एक कड़े बयान में शर्मा ने कहा कि विनाशकारी बाढ़ के बाद पहले से ही अपने जीवन के पुनर्निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे क्षेत्र के लोग सरकार के ध्यान न देने के कारण गहरी निराशा और पूरी तरह से निराश महसूस कर रहे हैं।

शर्मा की टिप्पणी चंद्रभागा क्षेत्र की उनकी चार दिवसीय व्यापक यात्रा के बाद आई है जिसके दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकों में भाग लिया और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों, नागरिक समाज के सदस्यों और प्रभावित परिवारों के साथ बातचीत की।

उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने स्थिति की गंभीरता और सरकारी हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है। शर्मा ने कहा कि, वर्तमान सरकार के गठन के बाद से, चंद्रभागा में एक भी वरिष्ठ मंत्री का दौरा नहीं हुआ है, बावजूद इसके कि क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर विनाश का सामना किया है।

उन्होंने कहा कि सांकेतिक पहुंच का अभाव हमारे लोगों की पीड़ा के प्रति सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। पूरे परिवारों ने अपने घर खो दिए हैं, कृषि भूमि बह गई है और फिर भी सत्ता में बैठे लोग उनके पास जाने और उनके दर्द का जायजा लेने में भी विफल रहे हैं। स्थिति को चिंताजनक और अस्वीकार्य बताते हुए शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रभावित समुदाय अभी भी व्यापक राहत और पारदर्शी पुनर्वास योजना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय आबादी अपने भविष्य को लेकर चिंतित है, क्योंकि कई लोगों को आश्रय के बिना छोड़ दिया गया है।

बिजली के प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन करने से रोका

श्रीनगर, 24 नवंबर (हि.स.)। पीडीपी की महिला विंग को सोमवार को जम्मू और कश्मीर में बिजली के प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन करने से रोक दिया गया।

पार्टी की महिला विंग ने पीक आवर्स में बिजली के प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी हालांकि अधिकारियों के अनुसार पुलिस ने उनके कार्यकर्ताओं को यहां शेर-ए-कश्मीर म्युनिसिपल पार्क के पास पार्टी हेडक्वार्टर से बाहर नहीं निकलने दिया। सोशल मीडिया पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर शांतिपूर्ण आवाजों को दबाया जा रहा है। जेके पुलिस का पीडीपी की महिला विंग को बिजली की दरों में भारी बढ़ोतरी के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने से रोकना 2019 से हमारे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमले का एक और सिलसिला है। जब कानून और व्यवस्था के बहाने सबसे शांतिपूर्ण आवाज़ों को भी दबाया जाता है तो यह एक डरावना संदेश देता है कि हमारा दर्द बेमतलब है हमारे अधिकार खत्म किए जा सकते हैं और अब बोलने की गलत कीमत चुकानी पड़ती है मुफ्ती ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम कश्मीरियों को दीवार के सामने धकेल रहे हैं और उनकी सुनी जाने की बुनियादी मांग को नकार रहे हैं।यह लगातार चुप कराना कश्मीरियों को दीवार के सामने धकेल रहा है हमारी उम्मीदों और सुनी जाने की हमारी बुनियादी मांग का भी दम घोंट रहा है।

पुलिस ने 4 ड्रग तस्करों को हिरासत में लिया

जम्मू, 24 नवंबर (हि.स.) रियासी जिले में पुलिस ने ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार व्यक्तियों को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई रूटीन चेकिंग के दौरान हुई। कटरा के सेरली चेक पोस्ट पर एक वैन को रोककर जांच की गई, जो पंथल से कटरा की ओर आ रही थी। वाहन चालक की पहचान जोगिंदर सिंह सब्ओ कश्मीर सिंह निवासी तारेरु, कालाकोट, राजौरी के रूप में हुई। वाहन में सवार अन्य तीन व्यक्तियों की पहचान इस प्रकार की गई दृ मोहम्मद फरीद सब्ओ मुंशी खान (ध्रमान, कोत्रांका, राजौरी), मोहम्मद यासिर सब्ओ मोहम्मद कयूम (ध्रमान, कोत्रांका, राजौरी) और अल्ताफ हुसैन सब्ओ नूर हुसैन (तरगैन, कोत्रांका, राजौरी)। इनकी तलाशी के दौरान पुलिस को इनके कब्जे से कुल 8.2 ग्राम हिरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके वाहन को भी जब्त कर लिया।

एलजी कविंदर गुप्ता ने लेह में इको-स्मार्ट न्यू एयरपोर्ट टर्मिनल की प्रगति की समीक्षा की

लेह, 24 नवंबर (हि.स.)। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने लेह के कुशोक बकुला रिम्पोची हवाई अड्डे पर नई टर्मिनल बिल्डिंग का ऑन-साइट निरीक्षण किया और आधुनिक, टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के निर्माण और एकीकरण की गति की समीक्षा की। यात्रा के दौरान उपराज्यपाल ने हासिल की गई महत्वपूर्ण प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और अत्याधुनिक हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए परियोजना टीम की सराहना की जिसमें अपनी तरह की पहली भू-तापीय तापमान-नियमन प्रणाली, व्यापक सौर एकीकरण और लद्दाख की जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप पर्यावरण-संवेदनशील वास्तुशिल्प योजना शामिल है।

उन्होंने कहा कि आगामी टर्मिनल उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में टिकाऊ बुनियादी ढांचे के लिए एक बेंचमार्क के रूप में खड़ा होगा।।कविंदर गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि नया टर्मिनल न केवल यात्री क्षमता और हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा बल्कि लद्दाख की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को प्रतिबिंबित करने वाले प्रवेश द्वार के रूप में भी काम करेगा।

उन्होंने पारंपरिक लद्दाखी रूपांकनों और डिजाइन तत्वों को शामिल करने के प्रयासों की सराहना की, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि टर्मिनल विश्व स्तरीय यात्रा सुविधाएं प्रदान करते हुए क्षेत्र की विरासत के साथ प्रतिध्वनित हो। उपराज्यपाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह परियोजना लद्दाख के कार्बन-तटस्थ केंद्र शासित प्रदेश बनने के दृष्टिकोण के साथ निकटता से मेल खाती है और कहा कि हवाई अड्डे की आधुनिक हरित विशेषताएं यूटी प्रशासन की नवाचार, पर्यावरणीय प्रबंधन और उच्च गुणवत्ता वाले सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं।

पुलिस स्टेशन अरनिया ने कुछ घंटों के भीतर चोरी हुआ ट्रैक्टर बरामद किया

जम्मू, 24 नवंबर (हि.स.)। त्वरित कार्यवाही में आरोपी गिरफ्तार थाना अरनिया पुलिस ने दिन में पहले दर्ज एक चोरी के मामले में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई का परिचय देते हुए मात्र 12 घंटे के भीतर चोरी हुए ट्रैक्टर को सफलतापूर्वक बरामद कर लिया।

शिकायत पंजाब के गुरदासपुर निवासी तजिंदर सिंह पुत्र हरबंस सिंह ने दर्ज कराई थी जिसके बाद पुलिस स्टेशन अरनिया में धारा 303 (2) के तहत एफआईआर संख्या 71/2025 दर्ज की गई थी। त्वरित कार्रवाई करते हुए, एसएचओ अरनिया, इंस्पेक्टर दिलावर कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई केंद्रित छापे और तकनीकी विश्लेषण किए, जिसके परिणामस्वरूप चोरी में शामिल आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा गया और चोरी किए गए वाहन की तत्काल बरामदगी हुई।

यह ऑपरेशन एसडीपीओ आर एस पुरा की देखरेख और एसपी मुख्यालय जम्मू के समग्र मार्गदर्शन में चलाया गया, जो संपत्ति से संबंधित अपराधों से निपटने के लिए विभाग की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जम्मू पुलिस ने आपराधिक तत्वों के खिलाफ निरंतर सक्रिय कार्रवाई का आश्वासन दिया है और जनता से संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह किया है, सुरक्षा सुनिश्चित करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि की है।

GOVERNMENT OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION
KATHUA

Extension Corrigendum1

Name of Work: Minor repair and routine maintenance of backhoe loader JK08F-2226 (Escort).
Tender ID2025_PWDJK_295240_1
Reference: e-NIT No: - MHDK/TECH/e-NIT/2025-26/53 dated 14.11.2025

Due to poor response thee-**NIT No: - MHDK/TECH/e-NIT/2025-26/53 dated 14.11.2025** issuedfor the work **"Minor repair and routine maintenance of backhoe loader JK08F-2226 (Escort),** is hereby extended up to 27/11/2025 till 2.00 pm and shall be opened on 28/11/2025 at 01.00 pm. The revised critical dates can be seen/ downloaded from the J&K Govt. website www.jktenders.gov.in.
Rest all other terms and conditions of e-NIT shall remain the same.

No: - MHDK/Tech/ 3088-89 Dated: 22/11/2025

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Kathua.

DIP/J-8279/25
Dtd: 24-11-2025

संपादकीय

चुनावी वादों पर यकीन करना बंद करें

जहां तक जम्मू-कश्मीर की बात है, यह बिल्कुल सही है कि लोगों को चुनाव से पहले अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों के किए गए वादों पर यकीन करना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि कई मामलों में पॉलिटिकल क्लास ने पक्का जनादेश मिलने के बाद भी उन्हें पूरा न करके वोटरों को धोखा दिया है।

इस मामले में, J&K में सत्ता में बैठी पार्टी का चुनावी वादे से पलटना, कश्मीर घाटी में पीक आवर्स के लिए बिजली के बिलों में 20 परसेंट टैरिफ बढ़ाने का प्रस्ताव है। यह बिल्कुल गलत कदम है क्योंकि J&K में सत्ता में बैठी पार्टी यानी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने असेंबली चुनाव के प्रचार के दौरान केंद्र शासित प्रदेश के हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था, लेकिन अब उस वादे को पूरा करने के बजाय, NC नेता उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल लोग, कड़ाके की सर्दी के मौसम में लोड शेडिंग से निपटने के लिए घाटी में पीक आवर्स के दौरान बिजली टैरिफ में 20 परसेंट की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव लेकर आए हैं।

यह बिल्कुल गलत है और इससे प्रभावित लोगों को गुस्सा आया है, जो सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे थे, न कि बिजली बिलों पर इस तरह के गलत सरचार्ज जैसी सख्त और गलत चीज़ की। संभावना है कि अगर कश्मीर के लिए इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है, तो वे दिन दूर नहीं जब गर्मियों के पीक महीनों में जम्मू क्षेत्र में भी यही बढ़ोतरी लागू की जाएगी।

यह पक्का है कि अगर उमर अब्दुल्ला सरकार इस कदम पर दोबारा विचार नहीं करती है, तो इस मामले में होने वाली प्रतिक्रिया आने वाले समय में उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर असर डाल सकती है। J&K में मुख्य विपक्षी पार्टी यानी BJP इस वादा तोड़ने को बड़े पैमाने पर कैंपेन के ज़रिए हाईलाइट कर रही है, और इसके लीडरशिप ने इस प्रस्ताव की निंदा करते हुए दावा किया है कि लागू होने के बाद यह लोगों की जेब पर बुरा असर डालेगा।

इस संदर्भ में, कथित तौर पर विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने NC पर चुनावों से पहले मुफ़्त बिजली का वादा करके और अब प्रस्तावित 20 प्रतिशत टैरिफ बढ़ोतरी का बोझ डालकर चुनावी धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है।

हालांकि, हृष्ट सरकार का यह प्रपोज़ल उसके चुनावी वादे से यू-टर्न के अलावा और कुछ नहीं है, लेकिन विपक्षी पार्टी BJP भी कई मामलों में चुनावी वादों को पूरा करने के मामले में सही नहीं है, क्योंकि कहा जाता है कि उसके पास भी कई अधूरे वादे हैं, जिसमें देश भर में हर व्यक्ति को 15 लाख रुपये देने का वादा सबसे ऊपर है, क्योंकि केंद्र में BJP सरकार के दस साल से ज़्यादा समय बाद भी किसी को यह रकम नहीं मिली है।

इस पूरे मामले को देखते हुए, लोगों के लिए यह ज़रूरी हो जाता है कि वे पॉलिटिकल लीडरशिप के वादों पर यकीन करने से पहले हज़ार बार सोचें। आने वाले किसी भी चुनाव में इनमें से किसी को भी सपोर्ट करने से पहले पार्टियों के पिछले कार्यकाल के परफॉर्मेंस को देखना ज़्यादा बेहतर होगा।

कृत्रिम मेधा का महत्व और दरकते-जुड़ते रिश्ते

हरीश शिवनानी

बात इसी साल सितंबर की है। एक छोटे देश अल्बानिया ने एक कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) 'डिएला' को स्त्री रूप देकर उसे अपनी केंद्रीय सरकार में कैबिनेट मंत्री बना दिया और दुनिया में मनुष्य बनाम तकनीक को लेकर एक बहस की शुरुआत कर दी। इस बहस के बीच ही जापान की 32 वर्षीय ऐमी कैनो ने नवंबर में अपने प्रेमी से लंबे ब्रेकअप के बाद चैटजीपीटी 'क्लॉस' से विवाह कर बहस को नया आयाम दे दिया है। कैनो ने विवाह करने के लिए 'एआई पर्सोना' को अपने स्वानुकूल बनाया।आवाज, टोन, पर्सनेलिटी तय कर डिजिटल इमेज भी बनाई और उसे नाम दिया 'क्लॉस'। इतना ही नहीं, उसने विवाह समारोह का आयोजन भी किया।यह कार्यक्रम नाओ और सायाका ओगासावारा ने आयोजित किया, जो 2 डी कैरेक्टर वेडिंग्स करवाने में विशेषज्ञ हैं यानी वर्चुअल या 'फिक्शनल पार्टनर' से शादी करने वाले लोगों के लिए समारोह।

यह मामला तकनीक के अलावा सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टि से काफी दिलचस्प है। इसके कई चिंतनीय पहलू हैं। प्रश्न यह है कि क्या तकनीक अब पति-पत्नी जैसे नितांत निजी और अंतरंग मामले में भी मनुष्य का विकल्प बनने जा रही है? कैनो का 'क्लॉस' से प्रतीकात्मक विवाह पहला मामला नहीं है। पुरुष या स्त्री रूप बने एआई/रोबोट/होलोग्राम के बीच ऐसे 'विवाह' के अन्य मामले भी हैं । यह कानूनी रूप से मान्य नहीं होते, लेकिन भावनात्मक रूप से व्यक्ति के लिए गहन होते हैं। 2017 में चीन के इंजीनियर झेंग जियाजिया ने खुद एक रोबोट 'यिंगयिंग' बनाया और उससे 'विवाह' कर लिया। 2018 में जापान के अकीहिको कोन्डो ने वर्चुअल पॉप स्टार हत्सुने मिकु (एक होलोग्राफिक एआई चरित्र) से तो 2023 में अमेरिकी रोसाना रैमोस ने रेप्लिका ऐप पर बनाए गए चैटबॉट 'एरेन कार्टल' से वर्चुअल मैरिज की।

अमेरिका में ही 2025 में ट्रेविस नामक व्यक्ति ने चैटबॉट 'लिली रोज' से डिजिटल समारोह में विवाह किया। इसी तरह अलाईना विंटर्स ने भी एक रोबोट 'लुकास' से विवाह किया। इन विवाहों से सवाल भी उभरते है कि आखिर वह कौन-सी दुनिया है जिसमें इनसान मशीन के पास सुकून खोजने को मजबूर हो जाता है? वह कौन-सा जीवन है जहां लोग इतने अकेले हो चुके हैं कि उन्हें एक डिजिटल साथी के सामने दिल खोलना आसान लगता है? ऐसे विवाह करने वाले सभी लोगों के तर्क में एक सामान्य बात थी कि वे इस भरी दुनिया में बेहद अकेलापन महसूस कर रहे थे और वर्चुअल रूप से उन्हें एक 'परफेक्ट पार्टनर' मिल गया है। दरअसल इन घटनाओं को सतह से नहीं, भीतर से देखने की जरूरत है। कभी मानव समाज का स्वरूप वृहद था, लोग एक ही छत के नीचे रहते थे, सब आत्मीय रिश्तों की डोर से बंधे थे।आगे चलकर विवाह का अर्थ बदल गया। रिश्तों का केंद्र 'साथीपन' बन गया, जिसमें अपनेपन की तलाश, भावनात्मक सहारा, दर्द और थकान को साझा करने की अपेक्षाएं थीं, लेकिन आधुनिक दुनिया इस साथीपन को धीरे-धीरे खोखला भी करती गई।

समय की कमी, अस्थिर रोज़गार, असुरक्षा का भाव, संत्रास, कुंठा, अवसाद, महानगरों का अजनबीपन सब मिलकर ऐसा माहौल बना रहे हैं,जहां रिश्तों का बंधन निभाने का धैर्य कम होता जा रहा है। उनकी दिनचर्या में लोगों से संपर्क तो है, पर संबंध नहीं, आत्मीयता तो कतई नहीं। ऐसे माहौल में मन ऐसी उपस्थिति खोजने लगता है जो थकती न हो, शिकायत न करे, गायब न हो जाए। ये विवाह उस खालीपन की तरफ़ ही इशारा करते हैं जिसे भरने के लिए हर कोई अलग राह चुनता है। इसी आधुनिक जीवन का एक पथ तकनीक से भी होकर गुजर रहा है। ये घटनाएं सिर्फ 'अनूठी खबर' मात्र नहीं है, बल्कि समाज शास्त्र के एक बड़े बदलाव की ओर संकेत करती हैं- जहां मानव संबंधों की पारंपरिक धारणाएं बदल रही हैं। करीब तीन साल पहले इजराइल के प्रोफेसर समाजशास्त्री एलियाकिम किस्लेव ने किताब लिखी- 'रिलेशनशिप 5.0ः हाऊ एआई,वीआर एंड रोबोट्स विल रिशेप अवर इमोशनल लाइव्स'। यह किताब मानव संबंधों के इतिहास को तकनीकी विकास के चश्मे से देखती है।

अमेरिका में ही 2025 में ट्रेविस नामक व्यक्ति ने चैटबॉट 'लिली रोज' से डिजिटल समारोह में विवाह किया। इसी तरह अलाईना विंटर्स ने भी एक रोबोट 'लुकास' से विवाह किया। इन विवाहों से सवाल भी उभरते है कि आखिर वह कौन-सी दुनिया है जिसमें इनसान मशीन के पास सुकून खोजने को मजबूर हो जाता है? वह कौन-सा जीवन है जहां लोग इतने अकेले हो चुके हैं कि उन्हें एक डिजिटल साथी के सामने दिल खोलना आसान लगता है? ऐसे विवाह करने वाले सभी लोगों के तर्क में एक सामान्य बात थी कि वे इस भरी दुनिया में बेहद अकेलापन महसूस कर रहे थे और वर्चुअल रूप से उन्हें एक 'परफेक्ट पार्टनर' मिल गया है।

विकास का पहला चरण प्रागैतिहासिक काल से शुरू होता है। नवीनतम चरण 21वीं शताब्दी का है, जहां यांत्रिक बुद्धिमत्ता, वर्चुअल रियलिटी और रोबोट्स संबंधों का केंद्र बन रहे हैं। तकनीक अब सिर्फ उपकरण नहीं, बल्कि आधुनिक दौर में मशीनें 'भावनात्मक साझेदार' बन रही हैं। वे कहते हैं, फ्रतकनीक अब हमारा नया जीवन साथी है।फ्र ये 'डिजिटल साथी' भावना अकेल जीवन बिताने वालों के लिए एक वैकल्पिक सहारा बन रहे हैं। मशीनी साथी, खासकर चैटबोट, ऐसी प्रतिक्रियाएं देते हैं जो सहानुभूति युक्त, स्थिर और प्रशंसात्मक हो सकती हैं। यह व्यवहार 'एम्पैथिक रीफ्लेक्टिंग साथी' जैसा हो सकता है- जो व्यक्ति को यह महसूस कराता है कि उसकी भावनाओं को समझा गया है और वे एआई के साथ गहरा आत्मीय रिश्ता महसूस करने लगते हैं। इतना सब होने के बावजूद यह बिंदु भी गौरतलब है कि ये रिश्ते पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं को चुनौती देते हैं, इनके जोखिम भी बहुत हैं। लंबा भावनात्मक रिश्ता सामाजिक हानि में बदल सकता है।

ये रिश्ते भविष्य में लैंगिक अनुपात को तो असंतुलित तो करेंगे ही, पारिवारिक संस्था के विघटन से सामाजिक अलगाव भी ज्यादा नजर आएंगे। यदि व्यक्ति भावनात्मक रूप से मशीनी, आभासी रिश्तों पर बहुत अधिक निर्भर हो जाएगा तो एआई के बंद होने, मॉडल बदलने, या सर्विस में बदलाव आने पर उसे झटका भी लग सकता है। यह उसे गहरा मानसिक आघात ही पहुंचाएगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फाइटर जेट क्रैश रिकॉर्ड और भारत का तेजस

-कैलाश चंद्र

आमतौर पर जब हम किसी देश की सैन्य शक्ति की बात करते हैं, तो जहन में हथियारों की संख्या, सेना का आकार और रक्षा बजट जैसे शब्द आते हैं। परंतु वास्तविकता इससे कहीं गहरी है। किसी भी वायुसेना की विश्वसनीयता केवल इस पर नहीं टिकी कि उसके पास कितने फाइटर जेट हैं, बल्कि इस पर भी निर्भर करती है कि वे कितने सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद हैं।

फाइटर जेट का क्रैश रिकॉर्ड उस देश की तकनीकी क्षमता, रखरखाव व्यवस्था, पायलट प्रशिक्षण और शोध-विकास के स्तर का महत्वपूर्ण संकेतक होता है। इसी परिप्रेक्ष्य से यदि हम अमेरिका के एफ-35, एफ-16, चीन के जे-10 और भारत के तेजस को देखें तो हमें न केवल तकनीकी तुलना मिलती है बल्कि यह भी स्पष्ट होता है कि भारत अपनी स्वदेशी क्षमता के साथ किस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

अमेरिकी फाइटर जेट ः एफ-35 और एफ-16अमेरिका की वायुसेना विश्व की सबसे बड़ी और तकनीकी रूप से उन्नत मानी जाती है। उसके दो प्रमुख फाइटर जेट हैं, जिसमें एफ-35 आधुनिक स्टेल्थ, मल्टीरोल फाइटर है। इसकी दर्जनों दुर्घटनाएँ बीते सालों में दर्ज हुई हैं। इनमें से कई मामलों में तकनीकी खामी, जैसे इंजन या हाइड्रोलिक सिस्टम में समस्या तो कई में पायलट की गलती सामने आई। यहाँ एक बात समझना जरूरी है। एफ-35 बड़े पैमाने पर बनाया और विविध परिस्थितियों में उड़ाया जा रहा है, इसलिए उसके क्रैश आँकड़े केवल खराब विमान नहीं बल्कि उच्च उपयोग और जटिल तकनीक का मिश्रित परिणाम हैं।

इसी तरह से एफ-16 1970 के दशक से सेवा में है। यह दर्जनों देशों में उपयोग होता है और हजारों यूनिट निर्मित हो चुकी हैं। स्वाभाविक है कि इतनी लंबी सेवा अवधि और भारी ऑपरेशनल उपयोग के कारण इसके सैकड़ों क्रैश रिकॉर्ड मिलते हैं। यह तथ्य अपने-आप में इसे असुरक्षित सिद्ध नहीं करता; बल्कि यह दिखाता है कि किसी भी प्लेटफॉर्म की दुर्घटनाओं को उसके पूरे ऑपरेशनल संदर्भ में देखना चाहिए।

चीन का जे-10 ः कम क्रैश, पर कम पारदर्शिताचीन का जे-10 चौथी पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर जेट है। चीन इसे अपने दम पर विकसित विमान के रूप में प्रचारित करता है। जे-10 के कुछ क्रैश मामलों की जानकारी सामने आई है, जिनमें पायलटों की मृत्यु भी हुई। लेकिन एक बड़ा प्रश्न यहाँ पारदर्शिता का है। चीन में सैन्य मामलों पर सूचना नियंत्रण बहुत कड़ा है। सभी दुर्घटनाएँ सार्वजनिक नहीं की जातीं और न ही विस्तृत जांच रिपोर्ट सामने आती हैं। ऐसे में केवल कम क्रैश की संख्या देखकर यह निष्कर्ष निकालना कि जे-10, एफ-16 हमारे तेजस से अधिक सुरक्षित है, यह सही नहीं होगा।

भारत का तेजस ः कम क्रैश, गहरा संदेशअब आते हैं भारत के स्वदेशी फाइटर जेट तेजस पर जो हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और डीआरडीओ जैसे भारतीय संस्थानों द्वारा विकसित चौथी पीढ़ी का हल्का लड़ाकू विमान है। तेजस की पहली उड़ान 1999 में हुई। उसके बाद से हजारों उड़ानें, कठोर परीक्षण, विभिन्न मौसमों में ऑपरेशन और वायुसेना में स्क्वाड्रन स्तर पर तैनाती हुई । इस पूरे सफर में तेजस के केवल दो क्रैश दर्ज हुए हैं। पहला 2024 में ट्रेनिंग के दौरान और दूसरा 2025 में विदेश में डेमो फ्लाइट के दौरान।

लगभग ढाई दशक की विकास यात्रा, हजारों फ़्लाइट-घंटों और इतने सीमित क्रैश। यह अपने-आप में तेजस की विश्वसनीयता, डिज़ाइन गुणवत्ता और भारतीय वैज्ञानिकों की दक्षता का मजबूत प्रमाण है। इसका मतलब यह नहीं कि तेजस में कोई कमी नहीं; हर आधुनिक सिस्टम में सुधार की गुंजाइश रहती है। लेकिन समग्र तस्वीर यह बताती है कि भारत एक सक्षम एयरोस्पेस राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है।

क्रैश आँकड़ों को गहराई से समझें

दरअसल, किसी भी विमान को समझने के लिए बेहतर तरीका है कि क्रैश-रेट प्रति 1,00,000 फ्लाइट-ऑवर देखा जाए। जो विमान लाखों

फ्लाइट-घंटे पूरे कर चुका हो, उसका कुल दुर्घटना आंकड़ा स्वाभाविक रूप से अधिक होगा। एफ-16 कई दशक से सैकड़ों स्क्वाड्रन में उड़ रहा है। एफ-35 नई पीढ़ी का है, पर उच्च संख्या और जटिल मिशन वाले बेड़े का हिस्सा है। जे-10 अपेक्षाकृत सीमित संख्या और कम पारदर्शी आंकड़ों के साथ दिखता है। तेजस अभी सीमित स्क्वाड्रन में, मुख्यतः भारतीय वायुक्षेत्र में और अत्यधिक निगरानी के साथ उड़ रहा है। इस संदर्भ में तेजस की दो दुर्घटनाएँ उसके अनुशासित उपयोग और मजबूत डिजाइन की ओर संकेत करती हैं, न कि केवल कम उड़ान का परिणाम हैं। यह संतुलित और तथ्य आधारित गर्व का विषय है।

भारतीय प्रतिभा से ईर्ष्या रखने वालों के प्रति हमारा दृष्टिकोणतेजस लड़ाकू विमान की सफलता न केवल भारत की तकनीकी क्षमता का प्रमाण है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम भी है। इस उपलब्धि ने जहाँ करोड़ों भारतीयों में गर्व और विश्वास जगाया है, वहीं कुछ वर्गों को इससे असहजता भी हुई है। यह असहजता कई कारणों से उत्पन्न होती है। कुछ लोग विदेशी विमानों के पिछलग्गु हैं, कुछ वैचारिक रूप से भारत की उपलब्धियों को कमतर दिखाने की आदत में बँधे हैं और कुछ पर वैश्विक रक्षा बाजार की प्रतिस्पर्धी लॉबी का प्रभाव होता है। ऐसी आलोचनाओं को देख कर हमें दो प्रकार के दृष्टिकोण अपनाने चाहिए।

1. सावधानी

तेजस को लेकर सोशल मीडिया पर कई बार फर्जी आँकड़े, पुराने चित्र, गलत तुलना या संदर्भहीन आंकड़े साझा किए जाते हैं। यह दुष्प्रचार जानबूझकर भ्रम पैदा करने के लिए किया जाता है। इसलिए हर दावे को तथ्यों, तकनीकी मानकों और विश्वसनीय स्रोतों के आधार पर परखना आवश्यक है। राष्ट्रीय उपलब्धियों के मामले में भावनाओं से अधिक विवेक का उपयोग करना बुद्धिमानी है।

2. सहानुभूति

कुछ लोग मानसिक रूप से इस सोच में फँसे होते हैं कि भारत कुछ अच्छा कर ही नहीं सकता। यह मनोवृति वर्षों की बौद्धिक गुलामी, उपनिवेशवादी प्रभाव और वैश्विक शक्तियों द्वारा बनाए गए नरेटिव का परिणाम है। ऐसे लोगों को शत्रु मानकर नहीं, बल्कि भ्रमित भारतीय समझकर संवाद करना अधिक उपयोगी होता है। तर्क, तथ्य और धैर्य – इन तीनों से उनकी गलतफहमियाँ दूर की जा सकती हैं।

रक्षा बाजार और वैश्विक प्रतियोगिता की हकीकतदुनिया का रक्षा क्षेत्र केवल तकनीक का नहीं, बड़े बिज़नेस और राजनीति का भी खेल है। हथियार बनाने वाली कंपनियों के लिए यह अरबों-खरबों डॉलर का बाज़ार है। हर देश चाहता है कि उसकी कंपनी के विमान, मिसाइल, रडार दुनिया भर में बिकें। कई बार मीडिया में रिपोर्ट, वीडियो, विश्लेषण के नाम पर इस बाज़ार की अदृश्य लॉबी अपनी बात चलाती है। ऐसे माहौल में यदि भारत का तेजस एक किफायती, भरोसेमंद और स्वदेशी विकल्प के रूप में उभरता है तो यह कुछ शक्तियों की आर्थिक और राजनीतिक योजना के खिलाफ भी जाता है। इसलिए तेजस के बारे में दुष्प्रचार, उसके क्रैश को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना या उसे हीन साबित करने की कोशिशें, यह सब केवल तकनीकी चर्चा नहीं, बल्कि बाज़ार और भू-राजनीति का हिस्सा भी हैं।आज भारत को इस खेल को समझ कर अपने डेटा को साफ-सुथरे तरीके से दुनिया के सामने रखना होगा, अपने विमानों, मिसाइलों और रक्षा उत्पादों के ट्रैक रिकॉर्ड को व्यवस्थित रूप से प्रचारित करना होगा, तभी वह एक विश्वसनीय रक्षा निर्यातक और रणनीतिक साझेदार बन सकेगा।

यदि भारत को विकसित भारत, अखण्ड भारत (मानसिक-सांस्कृतिक रूप में), वैभवशाली भारत और वैश्विक महाशक्ति एवं मार्गदर्शक (विज्ञान-आधारित गुरुत्वकेंद्र) बनना है, तो रक्षा, अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक और शिक्षा – इन चारों स्तंभों पर एक साथ काम करना होगा।

निष्कर्ष यह है कि अमेरिका और चीन का पैमाना अनुभव और जोखिम स्तर अलग है; पर यह भी उतना ही बड़ा सच है कि भारत ने तेजस के माध्यम से एक बहुत ऊँचा मानक स्थापित किया है। दो-तीन दुर्घटनाएँ किसी भी जटिल फाइटर जेट के जीवन चक्र का हिस्सा होती हैं, पर तेजस का समग्र रिकॉर्ड, उसकी तकनीकी परिपक्वता और स्वदेशी आधार इसे गर्व करने लायक बनाते हैं। भारत को अब भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से ऊपर उठकर, तथ्यों, आँकड़ों और संतुलित विश्लेषण के आधार पर अपनी सफलता को समझना और दुनिया को समझाना होगा। तेजस आज केवल आकाश का रक्षक नहीं है; वह यह घोषणा भी है कि भारत की वैज्ञानिक मेधा और राष्ट्रीय संकल्प मिलकर विश्व मंच पर नई ऊँचाइयाँ छूने के लिए तैयार हैं।

(लेखक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में मध्य क्षेत्र प्रचार प्रमुख हैं।)

कर्तव्यनिष्ठ नागरिकता- विकसित भारत की आधारशिला

-प्रहलाद सबनानी

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी स्थान पर है। केंद्र सरकार देश के आर्थिक परिदृश्य को और अधिक सशक्त बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, जिनका सीधा लाभ आम नागरिकों तक पहुँचना शुरू हो चुका है। वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों पर करों का बोझ कम करने का सराहनीय और साहसिक निर्णय लिया है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए वार्षिक कर देना इसका प्रमुख उदाहरण है। इसका अर्थ यह है कि वर्ष में 12 लाख रुपए तक आय अर्जित करने वाले नागरिकों को अब आयकर नहीं देना होगा। यह निर्णय न केवल नागरिकों के हाथों में अधिक धन उपलब्ध कराता है बल्कि उनकी क्रय शक्ति को भी सुदृढ़ करता है।

इसके साथ ही वस्तु एवं सेवा कर (त्नस्ञ) की दरों का युक्तिकरण करते हुए पूर्व में लागू चार स्लैबों 5त्न, 12त्न, 18त्न और 28त्न को घटाकर केवल दो प्रमुख स्लैब 5त्न और 18त्न में परिवर्तित किया गया है। इस परिवर्तन के कारण लगभग 90त्न से अधिक उत्पादों एवं सेवाओं पर कर का बोझ कम हुआ है। जिसका परिणाम बाजार में मांग के रूप में दिखाई दिया है। उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दीपावली एवं अन्य त्योहारी सीजन में 5.40 लाख करोड़ से अधिक के उत्पादों और लगभग 65,000 करोड़ रुपए की सेवाओं की रिकॉर्ड बिक्री इसका प्रमाण है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने भी आर्थिक गति को बढ़ाने हेतु रेपो दर में कमी की है। वर्ष 2025 में रेपो दर को 6.50त्न से घटाकर 5.50त्न कर दिया गया है, जिससे नागरिकों एवं उद्यमों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध हो रहे हैं। संभावना है कि दिसंबर 2025 में भी 25 आधार अंकों की अतिरिक्त कमी देखने को मिलेगी, जो आर्थिक गतिविधियों में और अधिक तेजी लाएगी।

इसी प्रकार, किसानों, बुजुर्गों और महिलाओं के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं के तहत सहायता राशि भेजी जा रही है। केंद्र एवं कई राज्य सरकारें इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन योजनाओं के परिणामस्वरूप नागरिकों के हाथों में अधिक धन पहुंच रहा है और वे बाजार में खपत बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति की दर पर नियंत्रण स्थापित कर इसे 2त्न से भी नीचे ला दिया गया है, जबकि एक दशक पूर्व यह लगभग 10त्न के आसपास बनी रहती थी। इन सभी सकारात्मक आर्थिक सुधारों का सम्मिलित प्रभाव यह है कि भारत 10त्न वार्षिक विकास दर प्राप्त करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

सरकार ने देश के गरीबों के पोषण स्तर को सुधारने हेतु 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया है। इससे अत्यंत निर्धन नागरिकों की संख्या में तीव्र गिरावट दर्ज हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक तथा अन्य वैश्विक संस्थाएँ भी भारत में तेजी से घटती गरीबी के आँकड़ों की सराहना कर रही हैं। सबसे विशेष बात यह है कि इतने व्यापक कल्याणकारी कार्यक्रमों और कर रियायतों के बावजूद केंद्र सरकार राजकोषीय घाटे को लगातार कम करने में सफल रही है। कोविड काल में यह लगभग 10त्न तक पहुँच गया था, किंतु अनुमान है कि वर्ष 2026 में यह घटकर 4.4त्न के स्तर पर आ जाएगा। यह उपलब्धि इस बात का प्रतीक है कि भारतीय नागरिक अब अपने कर दायित्वों का ईमानदारी से पालन कर रहे हैं और कर अनुपालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

निःस्संदेह किसी भी देश की आर्थिक प्रगति केवल सरकार की नीतियों पर निर्भर नहीं होती, अपितु वहाँ के नागरिकों की जागरूकता और कर्तव्य पालन भी उसके विकास में निर्णायक योगदान देते हैं। जब समाज सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता है, तब विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नागरिक अपने मौलिक कर्तव्यों को समझें और उनका पूर्ण रूप से पालन करें।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर 'पंच परिवर्तन' कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है। पंच परिवर्तन के पाँच आयाम हैं- नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, समरसता, स्वदेशी एवं स्व के भाव का जागरण। इन बिंदुओं के माध्यम से समाज में अनुशासन, एकता, राष्ट्रप्रेम, स्वावलंबन तथा पर्यावरण चेतना को मजबूत बनाने का प्रयास हो रहा है। नागरिक कर्तव्य इनमें अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि यह सीधा-सीधा देश की प्रगति से जुड़ा हुआ है।

नागरिक कर्तव्यों के अंतर्गत अपेक्षा की जाती है कि नागरिक देश के कानूनों का सम्मान करें और उनका पालन करें। यातायात एवं सार्वजनिक अनुशासन का पालन करें। करों का समय पर और सही राशि में भुगतान करें। राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करें। सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखें। हिंसा, लूटपाट और राष्ट्रीय संपदा को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों से दूर रहें।

अक्सर देखा गया है कि कुछ समूहों को भड़का कर किए जाने वाले हिंसक आंदोलनों में सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुँचता है। सरकारी संपत्ति वास्तव में करदाताओं के धन से निर्मित राष्ट्रीय संपदा होती है, इसलिए उसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इस संदर्भ में समाज में जागरूकता उत्पन्न करना समय की मांग है।

लोकतंत्र उसी समय सफल एवं सुदृढ़ होता है जब नागरिक न केवल अपने अधिकारों के प्रति, बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहें। जब एक नागरिक देश की उन्नति में योगदान देने की मंशा से कार्य करता है तो वह वास्तविक अर्थों में देशभक्ति निभाता है।

देशभक्ति केवल नारे लगाने या अवसर विशेष पर देशप्रेम दिखाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि दैनिक जीवन में नियमों का पालन करना ही सच्ची देशभक्ति है।

वर्ल्ड चैंपियन क्रिकेटर्स के खून-पसीने की कीमत सिर्फ 3 हजार रुपए! ऐसा है वर्ल्ड कप जीतने वाली ब्लाइंड टीम का हाल

नई दिल्ली। एजेंसी कोलंबो से जब भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने पहला टी20 वर्ल्ड कप जीतकर ट्रॉफी उठाई, पूरा देश गर्व से भर उठा. लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इस ऐतिहासिक जीत के पीछे खड़ी उन खिलाड़ियों को एक मैच खेलने के बदले कितने रुपए मिलते हैं. चौंकाने वाली बात ये भी है कि भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीम को अभी तक BCCI से मान्यता भी नहीं मिल रखी है. यानी इन खिलाड़ियों को मैच फीस बीसीसीआई से नहीं, बल्कि एक निजी ट्रस्ट और कुछ स्पॉन्सर्स की मेहरबानी से मिलती है.

कितनी है ब्लाइंड क्रिकेटर्स की मैच फीस?

हां, आपने सही पढ़ा. जिस देश में क्रिकेट को पूजा जाता है और क्रिकेटर्स को भगवान समझा जाता है, उस देश में ब्लाइंड क्रिकेट और ब्लाइंड क्रिकेटर्स गुमनामी के अंधेरे में खोए हुए हैं. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड दुनिया का सबसे अमीर बोर्ड है. जो अपने खिलाड़ियों को एक टेस्ट मैच के लिए 15 लाख, वनडे के लिए 6 लाख और टी20 के लिए 3 लाख रुपए मैच फीस देता है, उसी देश की ब्लाइंड क्रिकेट टीम की मैच फीस हजारों में है. मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, ब्लाइंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को मैच फीस के तौर पर सिर्फ 3 हजार रुपए मिलते हैं. ये सिर्फ ब्लाइंड महिला टीम नहीं, बल्कि ब्लाइंड पुरुष टीम का भी हाल है. ये खिलाड़ी अंधेरे में खेलकर रोशनी दिखाते हैं, ऐसे में उम्मीद है कि इस ऐतिहासिक जीत के बाद उन्हें वो रोशनी मिले, जिसकी वे हकदार हैं.

खिलाड़ियों के जज्बे और जुनून को सलाम

बीसीसीआई से ब्लाइंड क्रिकेट को आधिकारिक मान्यता ना मिलने का नतीजा यह है कि ब्लाइंड खिलाड़ियां अपने जज्बे और जुनून के दम पर मैदान में उतरती हैं, जबकि सारा खर्च क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (CABI) और कुछ दयालु स्पॉन्सर्स उठाते हैं. विदेशी टूर्नामेंट, किट, ट्रेनिंग कैंप, सब कुछ इसी दान और मदद पर निर्भर है. दूसरी ओर, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने ब्लाइंड क्रिकेटरों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट देता है. ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे जैसे देशों ने भी ब्लाइंड क्रिकेट को मान्यता दे रखी है.

सवाल सिर्फ पैसों का नहीं है, यह सम्मान और समानता का सवाल है. जब देश की एक टीम वर्ल्ड चैंपियन बनती है, तो क्या उसकी जीत को सिर्फ तालियों तक सीमित रखना ठीक है? वर्ल्ड कप जीतने वाली हर खिलाड़ी का सपना सिर्फ ट्रॉफी नहीं होता, वह होता है एक बेहतर जिंदगी और समाज का सम्मान. आपको जानकर हैरानी होगी कि महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड 2025 का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम को सिर्फ 1-1 लाख रुपए की प्राइज मनी मिली है, वो भी चिंटल्स ग्रुप की ओर से.

बिना कोई मैच हारे जीता वर्ल्ड कप

भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम के पास सपोर्ट की भले ही कमी है, लेकिन टैलेंट किसी से भी कम नहीं है. ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप में भारत इकलौती ऐसी टीम रही जिसने एक भी मैच नहीं हारा. उनसे 7 मैच खेले और सभी में जीत हासिल करके ट्रॉफी अपने नाम की. इस दौरान उनसे ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान जैसी टीमों को भी हराया.

भारतीय महिला टीम ने जीता दृष्टिबाधित टी20 क्रिकेट विश्व कप

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप फाइनल में रविवार को यहां के पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और फिर महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका।

पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित , राहुल कप्तानी संभालेंगे

-तिलक और ऋतुराज शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को मिली है। वहीं नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण शामिल नहीं किये गये हैं। श्रेयस अय्यर भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर है।

टीम में तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है। दक्षिया अफ्रीका-ए के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण ऋतुराज को टीम में जगह मिली है। वहीं तिलक को भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में शानदार बल्लेबाजी के कारण एकदिवसीय में जगह दी गयी है। ऋतुराज ने भारत के लिए 6 और तिलक ने 4 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत भी एकदिवसीय दल में शामिल हैं। 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी रखा गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, और अक्षर पटेल को टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार है - केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ध्रुव जुरेल.

सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में होना है। दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा।

इंग्लैंड टीम आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी : मैकुलम

पर्थ (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भी उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी। पहले टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही कई पूर्व क्रिकेटरों ने टीम की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। इंग्लैंड की टीम पहले मैच में केवल दो दिनों में ही हार गयी। जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में इंग्लैंड टीम अच्छी स्थिति में थी पर कुछ समय में ही मैच पलट गया। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 123 रन था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया 132 रनों पर ही आउट हो

गयी। मेहमान टीम ने 40 रन की बढ़त ली, जिससे वह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अच्छी स्थिति में आ गयी थी। पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए।

इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट शेष रहते 105 रन की बढ़त मिल गई पर बाद में उसकी बल्लेबाजी ढ़ह गयी। टीम ने 18.2 ओवर के अंदर अपने बचे हुए सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद केवल 99 रन ही बना पायी। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को केवल 205 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने केवल 83 गेंदों पर ही 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। पहला टेस्ट हारने के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि टीम की हार से वह निराश जरुर हैं पर इंग्लैंड पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और वह दूसरे ब्रिस्बेन टेस्ट पर ध्यान देगा। मैकुलम ने कहा, हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया देने से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे केवल हमें ही नहीं, बल्कि हमारी टीम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को परेशानी होगी। हमारे लिए, यह जरुरी है कि हम अपने आत्मविश्वास और अपने भाईचारे को बनाये रखें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेहतर प्रदर्शन देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है इससे हम यह तय सकें कि जब हम ब्रिस्बेन में जीत हासिल कर सके। मैकुलम ने कहा कि वे चार दिसंबर से गाबा में होने वाले अगले चार टेस्ट मैचों में अपनी आक्रामक रणनीति से पीछे नहीं हटेंगे।

हॉकी इंडिया ने किया बड़ा ऐलान, पुरुष जूनियर विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की

मदुरै ।हॉकी इंडिया ने 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक यहां होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप के मैच देखने के लिए रविवार को मुफ्त टिकटों की घोषणा की। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।' विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्चुअल फ्री टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

ऋषभ को अंपायरों ने दी चेतावनी, फिर हुई गलती तो भारतीय टीम पर लगेगा जुर्माना

गुवाहटी (एजेंसी)। यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंपायरों ने दूसरी बार भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत को चेतावनी दी है। ऐसे में अब अगर ऋषभ फिर से गलती करते हैं तो भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया जाएगा। अंपायरों ने ओवरों के बीच तय समय से ज्यादा समय लेने के लिए कप्तान को चेताया है। धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे ऋषभ को ये चेतावनी दी है। ऋषभ को दूसरी चेतावनी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने 88वें ओवर के शुरू होने से पहले दी। इसका कारण ये है कि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के ओवर के बीच कप्तान ने फील्डिंग जमाने में अधिक समय लगा दिया था। ऐसे में अगर कप्तान फिर से टाइम खराब करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खाते में ये रन जुड़ जाएंगे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाये थे। उसे शीर्ष बल्लेबाजों एडन मार्करम, रायन रिकल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और टेंबा बावुमा सभी ने अच्छी शुरुआत की हालांकि कोई वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

हेड की पारी देखकर शास्त्री को याद आया 2023 एकदिवसीय विश्वकप

पर्थ ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एशेज सीरीज के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज ट्रैविस हेड की जमकर प्रशंसा की है। इसी के साथ ही शास्त्री ने साल कप 2023 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल को भी याद किया जब हेड के कारण ही भारतीय टीम के हाथ से खिताब निकल गया था। शास्त्री ने कहा कि जैसा हेड ने भारत के खिलाफ किया था वैसा ही उसने अब इंग्लैंड से किया है। हेड ने एक ऐसी पारी पर्थ में खेली, जिसे इंग्लैंड की टीम कई साल तक भूल नहीं पायेगी। दूसरे ही दिन एक ही सत्र में हेड ने शतक लगाकर अपनी टीम केा जीत दिला दी। शास्त्री ने सोशल मीडिया में लिखा, ' हेड दो साल पहले आपने मेरे देश को शांत करा दिया था और आज, आपने फिर से वही इंग्लैंड के खिलाफ खेल के सबसे बड़े प्रारुप में किया है। आक्राम अंदाज़ में, एक शानदार पारी खेली।' हेड को लेकर शास्त्री ने विश्व कप 2023 फाइनल में खेली गई पारी को भी याद किया , जब उन्होंने अपनी टीम को कठिन हालातों में से निकालकर जीत दिला दी थी। हेड की पारी के कारण ही लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा था।

लक्ष्य ने जापान के तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

सिडनी(एजेंसी)। भारत के लक्ष्य सेन ने यहां खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट को जीत लिया है। लक्ष्य ने 475,000 लाख डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के 26 वर्षीय युशी तनाका को फाइनल में 21-15, 21-11 से हराया। ये मुकाबला 38 मिनट ही चला। लक्ष्य ने तनाका को सीधे गेमों में हराकर पिछले कुछ समय से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ दिया है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भी लक्ष्य पिछले कुछ समय में सफल नहीं रहे थे पर इस जीत से तय है कि उन्होंने एक बार फिर लय हासिल कर ली है।

लक्ष्य ने जापान के तनाका पर मिली जीत के बाद कानों में उंगलियां डालकर जश्न मनाया। इससें अंदाजा होता है कि ये खिताब उनके लिए कितना अहम है। इस

जीत के साथ लक्ष्य ने लगभग दो साल बाद सुपर 500 स्तर पर ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उन्होंने 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था पर कनाडा ओपन के बाद से ही वह किसी बड़े टूर्नामेंट में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाए थे।

इस सत्र में विश्व टूर जीतने वाले लक्ष्य सेन केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपर सुपर 300 में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी इस साल कई फाइनल तक पहुंचे वहीं जबकि किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे। ऐसे में लक्ष्य की यह जीत भारतीय बैडमिंटन में उर्जा का संचार करेगी।

फाइनल में लक्ष्य ने आक्रामक और संयमित खेल दिखाकर अपनी बढ़त बनाये रखी। 6-3 की शुरुआती बढ़त के बाद उन्होंने जापानी विरोधी की लगातार गलतियों का लाभ उठाया। इस दौरान दर्शकों ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने तनाका को रैलियों में बांधे रखा, जिससे विरोध खिलाड़ी का संभलने का अवसर ही नहीं मिला।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपना स्तर और ऊपर उठाया। तेज़ रिएक्शन, धारदार ड्राइव से दबाव बनाये रखा।

वहीं जापनी खिलाड़ी गलतियां करते हुए संभल नहीं पाये।

मुशफिकुर रहीम का शतक, बांग्लादेश ने आयरलैंड को श्रृंखला में किया क्लीन स्वीप

मीरपुर (बांग्लादेश) ।मुशफिकुर रहीम ने अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़ा जिससे बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 217 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। मुशफिकुर ने पहली पारी में 106 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में नाबाद 53 रन की पारी खेली जिससे उन्होंने मैच में कुल 159 रन बनाए जबकि लिटन दास ने 128 रन की शतकीय पारी खेली। इससे मेजबान टीम ने पहली पारी में 476 रन बनाए। आयरलैंड के ऑफ-स्पिनर एंडी मैकब्राइन ने 109 रन पर छह विकेट झटककर बांग्लादेश को 500 रन से पहले ही रोक दिया। लेकिन ताइजुल इस्लाम ने दोनों पारियों में 76 और 94 रन देकर चार चार विकेट झटके। इससे वह 250 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए। आयरलैंड की टीम पहली पारी में 265 रन पर सिमट गई। लेकिन बांग्लादेश ने फॉलो-ऑन नहीं दिया। दूसरी पारी में शादमान इस्लाम (78) और महमूदुल हसन जॉय (60) ने मिलकर 119 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद मोमिनुल हक ने 87 रन बनाए जिससे बांग्लादेश ने चार विकेट पर 297 रन पर पारी घोषित कर दी। अब आयरलैंड को जीत के लिए 509 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला। आयरलैंड की जोड़ी हैरी टेक्टर (50) और कर्टिस कैंपर (नाबाद 71 रन) ने डटे रहकर मैच को पांचवें दिन तक पहुंचाया। लेकिन उसकी दूसरी पारी 291 रन पर खत्म हुई। बांग्लादेश ने पहला मैच पारी और 47 रन से जीता था। दोनों टीमें अब 29 नवंबर से चटगांव में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेंगी।

पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति मंधाना की शादी टली

इंदौर ।भारतीय महिला क्रिकेर स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति और उनके मंगेतर पलाश मुच्छल की शादी टल गई है। सांगली में मंधाना के फॉर्म हाउस पर शादी समारोह चल रहा था। इसी बीच ही मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना को दिल का दौरा पड़ गया जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनका ईलाज जारी है। वहीं मंधाना के बिजनेस मैनेजर तुहिन मिश्रा ने उनके पिता के हार्ट अटैक की पुष्टि की है। वहीं शुरुआत में कहा जा रहा था कि शादी में आए किसी मेहमान को दौरा पड़ा है पर बाद में पता चला कि मंधाना के पिता की ही तबियता खराब थी। तुहिन ने मंधाना के पिता की तबीयत को लेकर कहा, 'आज सुबह नाश्ता करते समय मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई। हमने थोड़ी देर इंतजार किया, लेकिन जब लगा कि हालत बिगड़ती जा रही है तो लिए एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले गए. अभी वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'स्मृति अपने पिता के बहुत करीब हैं। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्होंने फैसला किया कि जब तक उनके पिता ठीक नहीं हो जाते तब तक यह शादी स्थगित रहेगी।'

पाकिस्तानी खिलाड़ी ने बनाए सबसे ज्यादा रन, फिर भी वैभव सूर्यवंशी बने नंबर-1

नई दिल्ली। एजेंसी एसीसी मेन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 का रोमांचक सफर पाकिस्तानी की जीत के खत्म हुआ. फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान शाहीन ने बांग्लादेश ए को धूल चटाते हुए खिताब पर कब्जा जमाया. पाकिस्तान के युवाओं खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और अंत में चैंपियन बनकर उभरे. इस दौरान पाकिस्तानी ओपनर माज सदाकत सबसे ज्यादा चर्चाओं में रहे. उन्होंने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन जड़े. लेकिन एक खास मामले में वह भारत के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से पीछे रह गए.

वैभव सूर्यवंशी को नहीं पछाड़ पाया इस खिलाड़ी

पाकिस्तानी ओपनर माज सदाकत की दमदार बल्लेबाजी के चलते ट्रॉफी पाकिस्तान की झोली में गई. सिर्फ 5 मैचों में माज ने 258 रन ठोके और टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाज बने. उनका औसत 129 का रहा. माज की लगातार बड़ी पारियां पाकिस्तान की जीत की रीढ़ साबित हुईं. लेकिन जब बात सबसे ज्यादा छक्कों की आई तो सबकी नजरें भारत के 14 साल के सनसनीखेज बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर टिक गईं. माज सदाकत सबसे ज्यादा छक्क जड़ने के मामले में वैभव सूर्यवंशी को नहीं पछाड़ सके.

एसीसी मेन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में सिर्फ 4 मैच खेलते हुए वैभव ने 22 गगनचुंबी छक्के जड़े और इस मामले में पूरे टूर्नामेंट में नंबर-1 रहे. माज सदाकत

5 मैचों में भी 19 छक्के ही लगा सके, यानी वैभव ने एक मैच कम खेलकर भी 3 छक्के ज्यादा ठोके. इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर बांग्लादेश के हबीबुर रहमान रहे, जिन्होंने 228 रन बनाने के लिए 21 छक्के ठोके. उन्होंने भी वैभव से एक मैच ज्यादा खेला, लेकिन वो भी पीछे रह गए.

वैभव सूर्यवंशी का जमकर चला बल्ला

एशिया कप राइजिंग स्टार 2025 में इंडिया ए को सेमीफाइनल से ही बाहर का रास्ता देखना पड़ा. लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने अपनी छाप जरूर जोड़ी. वह पहली पारी इंडिया ए के लिए खेलने उतरे और काफी सफल भी रहे. टूर्नामेंट में उन्होंने 4 पारियों में 239 रन बनाए. उन्होंने ये रन 243.87 के स्ट्राइक रेट से ठोके. वहीं, टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया.श्र के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 144 रनों की तूफानी पारी खेली.

एसीसी मेन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 की ट्रॉफी पाकिस्तान के नाम रही. इस टूर्नामेंट में पाकिस्तानी ओपनर माज सदाकत ने सबसे ज्यादा रन बनाए, लेकिन वह एक खास लिस्ट में भारत के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को नहीं पछाड़ सके.

नम्बर 8 पर आए ईनान की शतकीय पारी, भारत ए अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के करीब

बेंगलुरु ।आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए हरफनमौला मोहम्मद ईनान की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ए अंडर-19 ने रविवार को यहां भारत बी अंडर-19 को 26 रन से हराकर तीन देशों की श्रृंखला के फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले केरल के इस युवा खिलाड़ी ने 74 गेंदों में 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 105 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी से भारत ए अंडर-19 ने 18 ओवर में 68 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद के सात विकेट पर 267 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। ईनान ने छठे विकेट के लिए खिलान पटेल (37) के साथ 34 रन की साझेदारी करने के बाद अनमोलजीत सिंह (नाबाद 30) के साथ सातवें विकेट के लिए 135 रन की अटूट साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत बी अंड-19 की टीम 47.2 ओवर में 243 रन पर आउट हो गयी। आदित्य रावत (34 रन पर चार विकेट) और मोहम्मद मलिक (49 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने भारत बी की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। भारत बी के लिए विकेटकीपर हरवंश पंगालिया ने 113 गेंद में 99 रन की पारी खेली। उन्होंने जगनाथन हेमचूडशन (45) के साथ छठे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अमव बग्गा ने भी 49 रन का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के साथ भारत बी की टीम फाइनल में पहुंचने की दौड़ से लगभग बाहर हो गयी है।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना गेमचेंजर!

यमुना एक्सप्रेसवे की जमीनों के दाम में आई 158% तेजी

एक्सपर्ट्स के अनुसार जेवर एयरपोर्ट और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की वजह से यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रॉपर्टी की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं. आइए एक्सपर्ट के जरिए जानते हैं कि आगे उधर रियल एस्टेट सेक्टर का क्या आउटलुक रहेगा?

एजेंसी नई दिल्ली। जब से उत्तर प्रदेश के नोएडा में जेवर एयरपोर्ट बनना शुरू हुआ है. तभी से उसके इर्द-गिर्द की जमीनों के दाम आसमान छूने लगे हैं. इस साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने वाले हैं. इससे पहले ही यमुना एक्सप्रेसवे का रियल एस्टेट बाजार फिर से चर्चाओं में हैं. एक्सप्रेसवे के आसपास की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है. आइए जानते हैं कि प्रॉपर्टी की कीमतों को लेकर एक्सपर्ट की राय क्या है.

इन्वेस्टोएक्सपर्ट एडवाइजर्स के रियलएक्स स्टैट्स के मुताबिक, एक्सप्रेसवे पर फ्लैट की कीमतें 2020 से 2025 के बीच 158त्न तक बढ़ गई हैं. वहीं, प्लॉट की कीमतों में 536त्न यानी पांच गुना तक बढ़ोतरी हुई है. कीमतें बढ़ने की वजह के पीछे और भी कई सारी नई परियोजनाएं हैं. जैसे जल्द शुरू होने वाला एयरपोर्ट, सेक्टर 20 में फिल्म सिटी, एयरपोर्ट के पास 5,000 हेक्टेयर में बनने वाली ओलंपिक सिटी, परी चौक से सेक्टर 18 और 20 तक प्रस्तावित मेट्रो लाइन और अडानी ग्रुप का लॉजिस्टिक्स पार्क.

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट में, निम्बस रियल्टी के सीईओ साहिल अग्रवाल कहते हैं कि लंबे समय में यहां रहने का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि सड़कें, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, अस्पताल, स्कूल और रोजमर्रा की सुविधाएं कितनी जल्दी बनती हैं. एंड यूजर्स के लिए फायदे भी हैं. नई नौकरियों की संभावना, किराये की बढ़ती मांग और अच्छा रिटर्न. लेकिन अभी चुनौतियां भी हैं. सामाजिक सुविधाएं बहुत धीमी गति से बन रही हैं और पब्लिक ट्रांसपोर्ट बहुत कम है. कुल मिलाकर, वे प्रोजेक्ट जो भविष्य की आबादी और जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे हैं, वही अच्छा प्रदर्शन करेंगे.

गुलशन ग्रुप की डायरेक्टर युक्ति नागपाल कहती हैं कि एयरपोर्ट शुरू होने के बाद यह इलाका HNI, NRI और खरीदारों को आकर्षित कर रहा है, क्योंकि वे इसे एक उभरते आर्थिक हब के रूप में देखते हैं. कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज विकास इस क्षेत्र को प्रीमियम और भविष्य के लिए तैयार हाउसिंग डेस्टिनेशन बना रहा है.

वही, एक और एक्सपर्ट होम एंड सोल की चेयरपर्सन साक्षी कटियाल कहती हैं कि हाउसिंग की नजर से देखें तो यमुना एक्सप्रेसवे में घर खरीदने वालों की दिलचस्पी बढ़ेगी. एयरपोर्ट और नए इंडस्ट्रियल हब के आने से यहां बड़ी संख्या में काम करने वाले लोग आएंगे, जिससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सड़कें, अस्पताल, स्कूल और दुकानों की जरूरत भी बढ़ेगी. एंड यूजर्स के लिए किफायती कीमत और नई नौकरी की संभावनाएं बड़े फायदे हैं. आने वाले समय में वे प्रोजेक्ट ज्यादा अच्छा लाभ देंगे जो लोगों की जरूरतों और कनेक्टिविटी को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे हैं.

रोल्स-रॉयस का भारत में निजी क्षेत्र पावर सिस्टम कारोबार बढ़ेगा

- 2026-27 तक 60 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय एयरोस्पेस और पावर सिस्टम कंपनी रोल्स-रॉयस ने कहा है कि 2026-27 तक उसका भारत में निजी क्षेत्र का पावर सिस्टम कारोबार सरकारी आपूर्ति से अधिक हो जाएगा। कंपनी अपने उत्पाद और समाधान एमटीयू ब्रांड के तहत बेचती है, जिसमें डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर साइट, फैक्ट्रियां और अन्य संस्थागत बैकअप पावर तैनाती शामिल हैं। रोल्स-रॉयस के अनुसार, पहले भारत में कारोबार का लगभग 70 फीसदी हिस्सा सरकारी क्षेत्रों (नौसेना, थल सेना, खनन और अस्पतालों) से आता था और 30 फीसदी निजी क्षेत्र से। अब यह अनुपात लगभग 50-50 प्रतिशत हो गया है। कंपनी का मानना है कि आने वाले वर्षों में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी और बढ़ेगी और 2026-27 तक यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

रोल्स-रॉयस ने निजी क्षेत्र के तीन मुख्य स्तंभों की पहचान की है -

1.डेटा सेंटर: तेजी से बढ़ती मांग के साथ बड़ा अवसर।

2. गैस इंजन: औद्योगिक और व्यावसायिक उपयोग के लिए।

3. सेमीकंडक्टर निर्माण: निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए समाधान।

कंपनी भारत में 25 साल से अधिक समय से सक्रिय है। वर्तमान में 2,600 से अधिक एमटीयू इंजन और जेनसेट नौसेना, थल सेना, खनन और बिजली क्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं।

अमेरिकी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर पर 1 अरब डॉलर की डिफॉल्ट जजमेंट जारी की

1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट जजमेंट जारी करते हुए उन्हें 1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया है। यह मामला बायजू की अमेरिकी कंपनी बायजू अल्फा और अमेरिकी लेंडर जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलआईसी की याचिका से जुड़ा है। बायजू रवींद्रन के नेतृत्व में टीएलपीएल ने अमेरिकी लेंडर्स से 1 बिलियन डॉलर का टर्म लोन बी लिया था।

बाद में आरोप लगे कि बायजू अल्फा ने लोन की शर्तों का उल्लंघन किया और 533 मिलियन डॉलर अवैध रूप से अमेरिका से बाहर ट्रांसफर किए। जीएलएएस ट्रस्ट ने डेलावेयर कोर्ट में केस दायर किया और बायजू अल्फा पर नियंत्रण हासिल किया। डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने पाया कि रवींद्रन डिस्कवरी ऑर्डर का पालन नहीं कर रहे थे और कई बार जानकारी देने से बचते रहे। पहले ही उन्हें प्रतिदिन 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था, जिसे उन्होंने अदा नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि रवींद्रन विदेश में रहते हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि वे कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करना चाहते।

कोर्ट ने रवींद्रन को बायजू अल्फा से जुड़े सभी फंड्स और उनके ट्रांसफर की पूरी जानकारी देने का आदेश दिया। इसमें कम्सहाफ एलपी इंट्रेस्ट जैसे एसेट्स और उनसे जुड़े हर लेन-देन की जानकारी शामिल है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा कि केवल आर्थिक दंड पर्याप्त नहीं है, इसलिए डिफॉल्ट जजमेंट जैसी कठोर कार्रवाई जरूरी थी।

सेंसेक्स की टॉप सात कंप नियों का मार्केट कैप बढ़कर 1.28 लाख करोड़ हुआ

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन पर बरकरार रही

मुंबई ।

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली। इस रफ्तार का फायदा देश की टॉप 10 कंपनियों में से 7 कंपनियों को हुआ, जिनका बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर करीब 1.28 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। हालांकि, तीन दिग्गज कंपनियों को घाटा भी उठाना पड़ा। निवेशक और विशेषज्ञ अब अगले हफ्ते के रुझानों पर नजर रखे हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा फायदा हुआ, इसके बाजार पूंजीकरण में 36,673 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई। भारती एयरटेल का सिर्फ एक हफ्ते में मार्केट कैप 36,579 करोड़ बढ़ गया, आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इन्फोसिस ने 17,490 करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण में 16,299 करोड़ की वृद्धि हुई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 14,608 करोड़ पहुंच गया। एसबीआई और

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 4,846 करोड़ और 1,786 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इसके विपरीत बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 8,245 करोड़ रुपए की गिरावट देखी गई। वहीं एलआईसी का बाजार पूंजीकरण घटकर 4,522 करोड़ और आईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण घटकर 1,248 करोड़ रहा। शीर्ष 10 कंपे नियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान नंवर बन पर बरकरार रहा। एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारतीय एयरटेल तीसरे नंबर पर रही।

भारत, इजरायल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

भारत-इजरायल मुक्त व्यापार समझौते पर दो चरणों में होगा विचार

जेरुशलम । भारत और इजरायल ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता शुरू करने के लिए टीओआर पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगम बनाना और सेवा व्यापार को बढ़ावा देना शामिल है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि समझौते को दो चरणों में लागू करने पर विचार किया जा रहा है। पहला चरण जल्दी पूरा कर, व्यापारिक समुदाय को शीघ्र लाभ पहुंचाना प्राथमिकता होगी। संवेदनशील मुद्दों को अभी नहीं छुआ जाएगा। दोनों देश आरएंडडी और नवाचार के माध्यम से संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे। इजरायल अपनी विशेषज्ञता साझा करेगा और भारत अपने बड़े बाजार का लाभ उठाएगा। गोयल 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व में इजरायल में हैं।

दुबई में तेजस क्रैश होते ही इस सरकारी कंपनी को लगा 26000 करोड़ का फटका

एजेंसी

नई दिल्ली। दुबई एयर शो में भारतीय जेट तेजस के क्रैश होने के बाद शुक्रवार को सरकारी डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर भी क्रैश कर गए. शेयर बाजार ओपन होते ही कंपनी को 26 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के वैल्यूएशन का नुकसान हो गया. बीएसई के आंकड़ों के अनुसार कंपनी का शेयर करीब 8.50 फीसदी की गिरावट के साथ ओपन हुआ. खास बात तो ये है कि बीते 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 11 फीसदी से ज्यादा की गिरावट

देखने को मिल चुकी है. जानकारों का कहना है कि तेजस के क्रैश होने के बाद भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट को भी झटका लग सकता है. इसी सेंटीमेंट की वजह से एचएएल के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों के आंकड़े किस तरह के देखने को मिल रहे हैं.

कंपनी के शेयरों में बड़ी गिरावट

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली. आंकड़ों के अनुसार कंपनी का शेयर 8.50 फीसदी की गिरावट के साथ 4,205.25 रुपए पर ओपन हुआ, यही दिन का लोअर लेवल है. जबकि शुक्रवार को कंपनी का शेयर 4,595 रुपए पर बंद हुआ था. वैसे बीते एक 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 11 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है. वहीं बीते एक हफ्ते में कंपनी का शेयर 8.35 फीसद से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल रही है. वैसे दोपहर 12 बजे कंपनी का शेयर करीब 3.50 फीसदी की गिरावट के साथ 4,436.10 रुपए पर कारोबार करता हुआ दिखाई दे रहा है.

इस सप्ताह अस्थिर रह सकता है घरेलू शेयर बाजार

- वैश्विक कारकों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों ने तेजी और गिरावट के मिश्रित रुझान दिखाए। सोमवार को बाजार में शुरुआती तेजी रही, लेकिन अगले ही दिन गिरावट देखने को मिली। मंगलवार और शुक्रवार को फिर तेजी दर्ज हुई, जिससे बीएसई का सेंसेक्स और निफ्टी-50 इस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। हालांकि अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में गिरावट दर्ज की गई। निवेशक अब इस सप्ताह वैश्विक कारकों और रुपये की चाल पर नजर रखेंगे, क्योंकि बीते सप्ताह रुपये में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार अस्थिर रह सकता है। रुपये की कमजोरी से आयातित महंगाई बढ़ सकती है, जो कंपनियों के मुनाफे पर दबाव डाल सकती है। वहीं वैश्विक बाजारों की दिशा और तेल-सोना जैसे कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी घरेलू बाजार की चाल को प्रभावित कर सकता है। इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी जारी होंगे, लेकिन शुक्रवार शाम को आने के कारण उनका असर अगले सप्ताह ही दिखाई देगा। निवेशक इन आंकड़ों के आधार पर लंबी अवधि के निवेश और पोर्टफोलियो समायोजन कर सकते हैं।

इंडिगो 22 दिसंबर से सेंसेक्स में होगी शामिल

- इंटरग्लोब एविएशन करेगा 7,270 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड 22 दिसंबर से बीएसई के 30 शेयरों वाले प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने सूचकांकों के पुनर्गठन की घोषणा करते हुए बताया कि इस बदलाव के साथ टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को सेंसेक्स से बाहर कर दिया जाएगा। यह परिवर्तन सोमवार यानी 22 दिसंबर को बाजार खुलते ही प्रभावी हो जाएगा। सूचना के बाद शनिवार को इंडिगो का शेयर 0.92 फीसदी की बढ़त के साथ 5,840.25 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई ने अन्य इंडेक्स में भी बदलाव किए हैं। बीएसई 100 सूचकांक में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को शामिल किया गया है, जो अडानी ग्रीन एनर्जी की जगह लेगा। इसके अलावा बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 50 में मैक्स हेल्थकेयर को जोड़ा जाएगा, जबकि इंडसइंड बैंक को इस सूचकांक से हटा दिया गया है। विश्लेषकों का मानना है कि इन बदलावों से संबंधित शेयरों में निवेशकों का रुझान बढ़ सकता है। इंडिगो ने विमान अधिग्रहण को तेज करने के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी इंटरग्लोब

एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर यानी लगभग 7,270 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि यह निवेश शेयरों और 0.01 फीसदी गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर के संयोजन में एक या अधिक किस्तों में किया जाएगा। इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से विमान और विमानन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए किया जाएगा, ताकि कंपनी अधिक विमान अपनी प्रत्यक्ष स्वामित्व में ले सके। विमान ट्रैकिंग वेबसाइट प्लेनस्पॉटर के अनुसार, 21 नवंबर तक इंडिगो के बेड़े में कुल 411 विमान हैं, जिनमें से 365 परिचालन में हैं जबकि 46 ग्राउंडेड हैं। पारंपरिक रूप से लीजिंग मॉडल पर संचालन करने वाली इंडिगो ने 12 अक्टूबर 2023 को आईएफएससी इकाई बनाई थी, जो अब विमान खरीदने और उन्हें इंडिगो को ही लीज पर देने का काम करती है। यह कदम कंपनी की दीर्घकालिक लागत रणनीति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

यूफ्लेक्स धारवाड़ में पैकेजिंग फिल्म क्षमता बढ़ाने 700 करोड़ निवेश करेगी

- 54,000 टन प्रति वर्ष नई क्षमता जोड़ने से वैश्विक उत्पादन बढ़कर 6,90,160 टन होगा

नई दिल्ली । फ्लेक्सिबल पैकेजिंग कंपनी यूफ्लेक्स लिमिटेड कर्नाटक के धारवाड़ में अपने संयंत्र में पैकेजिंग फिल्म उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इस निवेश से धारवाड़ संयंत्र में 54,000 टन प्रति वर्ष की नई क्षमता जुड़ जाएगी। यूफ्लेक्स के समूह अध्यक्ष ने बताया कि यह परियोजना कंपनी के वैश्विक पोर्टफोलियो को मजबूत करेगी। निवेश के बाद कंपनी की वैश्विक पैकेजिंग फिल्म क्षमता 6,36,160 टन से बढ़कर 6,90,160 टन प्रति वर्ष हो जाएगी। धारवाड़ में यह विस्तार गुजरात के साणंद में हाल ही में पूरी हुई एसेप्टिक पैकेजिंग क्षमता वृद्धि के बाद हो रहा है। इसके अलावा, मिस्र, मेक्सिको और नोएडा में चल रही रणनीतिक परियोजनाएं भी कंपनी की वैश्विक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

एसएमएफसीएल ने समुद्री क्षेत्र में 25,000 करोड़ तक फाइनेंसिंग की मंजूरी दी

नई दिल्ली । भारत की पहली समुद्री क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी सागरमाला फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएमएफसीएल) ने कुल 25,000 करोड़ रुपये तक कर्ज लेने की मंजूरी दी है। इस वित्त वर्ष (2024-25) में कंपनी 8,000 करोड़ रुपये तुरंत जुटाएगी ताकि लोन देना जल्दी शुरू किया जा सके। एसएमएफसीएल देश की प्रमुख रेटिंग एजेंसियों से संपर्क कर रही है। समुद्री क्षेत्र की मजबूत संभावनाओं और लंबी प्रोजेक्ट लाइन के चलते एपेक्स रेटिंग मिलने की उम्मीद है। अच्छी रेटिंग से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और कर्ज पर ब्याज दर कम होगी। कंपनी का लक्ष्य भारत को दुनिया के बड़े जहाज निर्माण देशों में शामिल करना है। एसएमएफसीएल सरकारी और प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों को शॉर्ट-टर्म, मीडियम-टर्म और लॉन्ग-टर्म लोन देगी। साथ ही, कैश फ्लो और गारंटी जैसी सेवाएं भी प्रदान करेगी।

मुकेश अंबानी ने 44 लाख निवेशकों की कराई मौज, 11 माह में छापे 4.4 लाख करोड़

एजेंसी नई दिल्ली। भले ही साल 2024 देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए मार्केट कैप के हिसाब से कुछ खास ना रहा हो, लेकिन साल 2025 में कंपनी की वैल्यूएशन में जबरदस्त इजाफस देखने को मिला है. कोविड साल 2020 के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 2025 में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिल चुकी है. आंकड़ों को देखें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 26 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है और कंपनी की वैल्यूएशन में 4.4 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है. शुक्रवार को तो कंपनी का शेयर 52 हफ्तों के हाई 1,557.95 रुपए पर आ गया था. साथ ही कंपनी की वैल्यूएशन करीब 21 लाख करोड़ पर आ गया है. अब सबसे बड़ा आखिर इस तेजी की सबसे बड़ी वजह क्या है? आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर वो कौन से ट्रिगर्स हैं जो रिलायंस के शेयरों को रफ्तार देने का काम कर रहे हैं?

जियो आईपीओ

जेफरीज ने रिलायंस जियो की वैल्यूएशन का अनुमान 180 अरब डॉलर कर दिया है. कंपनी का अनुमान है कि वित्त वर्ष 26-28 के दौरान रेवेन्यू/एबिटडा में 18 फीसदी/21 फीसदी की

CAGR हासिल करने की स्थिति में है. इसके प्रमुख कारकों में बढ़ते मोबाइल टैरिफ, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) के नेतृत्व में होम ब्रॉडबैंड बिजनेस में मजबूत वृद्धि, एंटरप्राइज बिजनेस का विस्तार और इसके तकनीकी ढांचे का मॉनेटाइजेशन शामिल है. ब्रोकरेज ने जियो के बेहतर ग्रोथ सिनेरियो का हवाला देते हुए अपने लक्षित ईवी/एबिटडा मल्टीपल को भी बढ़ाकर 15 गुना कर दिया है – जो भारती एयरटेल से 10 फीसदी ज्यादा है.

टेलीकॉम बिजनेस और भी बड़ा सोर्स बनने वाला है. बाजार विशेषज्ञ सुदीप बंद्योपाध्याय को उम्मीद है कि अगली तिमाही के परिणाम ÷काफी सकारात्मक÷ होंगे क्योंकि ARPU में वृद्धि का लाभ पूरी तरह से मिलेगा. उन्हें वित्त वर्ष के अंत से पहले ARPU में एक और बढ़ोतरी की भी उम्मीद है, जिससे नई गति मिल सकती है.

बंद्योपाध्याय ने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि इसके अलावा, जैसा कि हम जानते हैं, एजीएम में यह घोषणा की गई थी कि टेलीकॉम बिजनेस की लिस्टिंग के जरिए वैल्यू अनलॉकिंग अगले कैलेंडर वर्ष की पहली छमाही में की जाएगी. इसलिए ऐसा होने की उम्मीद है, और यह वैल्यू अनलॉकिंग इवेंट और इसकी घोषणा भी काउंटर में काफी उत्साह पैदा करेगी.

यूनिसन मेटल्स ने की 1:10 शेयर स्प्लिट करने की घोषणा

- शेयर स्प्लिट का फैसला और रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली । स्टेनलेस स्टील निर्माता यूनिसन मेटल्स लिमिटेड ने अपने शेयरों को 1:10 के रेशियो में स्प्लिट करने का बड़ा फैसला लिया है। यानी, अब जो शेयर 10 रुपए फेस वैल्यू के थे, उन्हें 10 नए शेयरों में बांट दिया जाएगा, प्रत्येक का फेस वैल्यू केवल 1 रुपए होगा। यह प्रस्ताव 29 सितंबर 2025 को हुई वार्षिक आम बैठक में शेयरहोल्डर्स द्वारा पास किया गया। कंपनी ने रिकॉर्ड डेट 28 नवंबर तय की है। इस तारीख तक जिनके पास शेयर होंगे, उन्हें पुराने शेयरों के बदले नए शेयर मिल जाएंगे। शेयर स्प्लिट के बावजूद निवेशकों की कुल राशि में कोई बदलाव नहीं होगा। केवल शेयरों की संख्या 10 गुना बढ़ जाएगी और कीमत अपने आप एडजस्ट हो जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी निवेशक के पास 100 शेयर थे, तो स्प्लिट के बाद उन्हें 1000 नए शेयर मिलेंगे। इस कदम का उद्देश्य छोटे निवेशकों के लिए शेयर खरीदना आसान बनाना और बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाना है। यूनिसन मेटल्स यूसीएम ग्रुप का हिस्सा है और यह हॉट-कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील शीट्स, किचनवेयर, बर्तन-कटलरी और स्टोरेज टैंक्स बनाती है। कंपनी ने यूनाइटेड नेशंस इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के साथ विभिन्न प्रोडक्ट्स में कोलैबोरेशन के लिए भी नामांकित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति की घर में ही सजा काटने की मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए जेल की सजा घर में नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) के रूप में काटने की मांग की है। उनकी कानूनी टीम ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिका दायर की। बोल्सोनारो को सितंबर 2024 में 2022 के चुनाव में हार के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था और 27 साल 3 महीने की सजा सुनाई गई थी ।इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी, लेकिन वकील एक और अपील दाखिल करने की तैयारी में हैं। फिलहाल बोल्सोनारो अगस्त से नजरबंद हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि उन्होंने अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। अभी तक उन्हें तख्तापलट मामले की सज़ा भुगतनी शुरू नहीं करने दी गई है।

बांग्लादेश में भूकंप से 10 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। शुक्रवार को ढाका और देश के कुछ हिस्सों में जबरदस्त भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इस भूकंप से इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई जगहों पर आग लग गई और लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से चार की मौत राजधानी ढाका में, पांच की मौत नरसिंगडी में हुई, जो भूकंप का सेंटर था, और एक की मौत सबअर्बन नदी बंदरगाह शहर नारायणगंज में हुई ।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,अकेले राजधानी गाजीपुर के बाहरी इलाके में बसे इंडस्ट्रियल शहर में अलग-अलग यूनिट्स में कम से कम 100 मजदूर घायल हो गए, क्योंकि वे भूकंप के दौरान इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रेडक्रॉस कमेटी में 2900 नौकरियां समाप्त होंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस कमेटी ने कहा, वह अपना 2026 का बजट 17% घटाकर 1.8 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 2.23 अरब डॉलर) करने जा रही है। इससे करीब 2,900 नौकरियां खत्म होंगी। कमेटी ने कहा, उसे अपना बजट इसलिए घटाना पड़ रहा है क्योंकि उसे मिलने वाली वित्तीय मदद में अप्रत्याशित कमी आ रही है। कमेटी ने कहा, दानकर्ता देश अपना सारा ध्यान रक्षा खर्च बढ़ाने में लगा रहे हैं। ऐसे में मानवतावादी संस्थाओं को तमाम संघर्षों और विस्थापन से प्रभावित लोगों की मदद से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ रहा है।

कलाकार फ्रिदा कहलो की पेंटिंग 485 करोड़ में बिकी

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको की कलाकार फ्रिदा कहलो की बनाई हुई पेंटिंग न्यूयॉर्क में करीब 485 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके साथ यह किसी महिला कलाकार की बनाई गई अब तक की सबसे महंगी पेंटिंग बन गई है। पेंटिंग की नीलामी कराने वाली सोथबी ने बताया कि इसका नाम एल सुएनो (ला कामा) है, जिसका अर्थ होता है सपना (बिस्तर)। इस पेंटिंग ने अमेरिकी कलाकार जॉर्जिया ओ'कीफे के बनाए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

ब्रिटेन ने वीजा धोखाधड़ी रोकने का अभियान तमिलनाडु तक बढ़ाया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने वीजा फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए अपने जागरूकता अभियान को भारत के तमिलनाडु तक बढ़ाया है। पंजाब में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब तमिलनाडु में भी विशेष जागरूकता अभियान चलेगा और तमिल भाषा में वाट्सएप, चैटबॉट के जरिये लोग नकली वीजा और धोखेबाज एजेंटों की पहचान कर सकेंगे। यह कदम अवैध प्रवासन पर लगाम लगाने और यात्रियों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत-ब्रिटेन सहयोग मजबूत करता है।

एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर बैंकॉक से गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर को बैंकॉक से गिरफ्तार किया है। अमेरिका और यूरोपीय एजेंसियों पर साइबर हमले के आरोपी को फुकेट द्वीप से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय संदिग्ध 30 अक्तूबर को फुकेट एयरपोर्ट से थाईलैंड आया था और एक होटल में ठहरा था। थाई पुलिस के अनुसार, संदिग्ध को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पाकिस्तान के पेशावर में हमला, पहले फायरिंग फिर धमाके, मारे गए 3 जवान

पाकिस्तान के पेशावर में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर आत्मघाती हमलावरों ने भीषण हमला किया. इस ऑपरेशन में तीन हमलावरों को मार गिराया गया, लेकिन तीन सुरक्षाकर्मी भी मारे गए.

एजेंसी

पाकिस्तान। पाकिस्तान में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमला हुआ. पुलिस के अनुसार सोमवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर बंदूकधारियों ने हमला किया. सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि यह परिसर, जो फ्रंटियर कांस्टेबुलरी अर्धसैनिक बल का मुख्यालय है, दो आत्मघाती बमबाजों के हमले का भी शिकार हुआ.

हमले के फौरन बाद हमलावरों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया गया. इस ऑपरेशन में सभी तीन हमलावरों को मार गिराया गया. अभियान के दौरान 3 कर्मियों की भी मौत हो गई.

कैसे हुआ हमला?

एक वरिष्ठ अधिकारी ने रॉयटर्स को नाम न बताए जाने की शर्त पर बताया, पहले आत्मघाती बमबाज ने कांस्टेबुलरी के मुख्य एंट्री गेट पर हमला किया और दूसरा बमबाज परिसर में घुस गया. अधिकारी ने आगे कहा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले कर्मी, जिसमें सेना और पुलिस शामिल हैं, ने क्षेत्र को घेर लिया है और स्थिति को सावधानी से संभाल रहे हैं क्योंकि हमें संदेह है कि मुख्यालय के अंदर कुछ आतंकवादी मौजूद हैं.

यातायात पर लगाई गई रोक

इस बल का मुख्यालय एक व्यस्त इलाके में मौजूद है, जो एक सैन्य छावनी के पास है. क्षेत्र के निवासी सफदर खान ने रॉयटर्स को बताया, सड़क पर यातायात के लिए रोक लगा दी गई है और इसे सेना, पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने घेर लिया है.

TTP के एक गुट ने ली जिम्मेदारी

पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के एक गुट जमातुल अहरार ने पेशावर में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी मुख्यालय पर हुए आत्मघाती बम हमले की जिम्मेदारी ली है.

हमले को इस समूह की खुलफा-ए-रशीदीन इश्तिशादी कांडक (Khulfa-e-Rashideen Ishtishadi Kandak)नामक आत्मघाती स्क्वॉड ने अंजाम दिया.

पहले भी हुए हमले

इससे पहले भी अर्धसैनिक बल के मुख्यालय के बाहर हमला हुआ है. इस साल की शुरुआत में, क्वेटा में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय के बाहर एक कार बम विस्फोट हुआ. इस विस्फोट में कम से कम 10 लोग मारे गए और कई घायल हो गए. यह घटना क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच हुई थी.

3 सितंबर को क्वेटा में एक राजनीतिक रैली पर हुए आत्मघाती हमले में 11 लोग मारे गए और 40 से ज्यादा घायल हुए. यह हमला उस स्टेडियम के पार्किंग क्षेत्र में हुआ था, जहां सैकड़ों बलोचिस्तान नेशनल पार्टी समर्थक इकट्ठा हुए थे.

पाकिस्तानी बल बलोचिस्तान में लंबे समय से जारी विद्रोह से लड़ रहे हैं, जिसने 2024 में अब तक 782 जानें ली हैं. मार्च में, बलोच लिबरेशन आर्मी ने एक ट्रेन का अपहरण किया और छुट्टी पर रहे सैनिकों की हत्या कर दी. जनवरी से अब तक विभिन्न हमलों में 430 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर सुरक्षा कर्मी हैं. इनमें बान्नू में 6 सैनिकों की भी मौत शामिल है.

हेनली पासपोर्ट इंडेक्स: पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे। भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में प्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली : पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क

नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा : पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30-35 देशों तक ही वीजा-फ्री या वीजा-ऑन- अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपबल्किन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुईं।

ट्रंप की समर्थक से बनीं आलोचक : ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके ख़िलाफ़ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

कई बयानों को लेकर चर्चा में रहीं : वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं। ग्रीन ने क्यूएनॉन थ्योरी को अपनाया और श्वेत सर्वोच्चता की समर्थक रहीं। इसे लेकर पार्टी नेताओं ने ग्रीन का विरोध भी किया लेकिन ट्रंप ने उनका स्वागत किया। ग्रीन ने 2019 में तर्क दिया कि सांसद इल्हान उमर और रशीदा तलीब, दोनों मुस्लिम महिलाएं, कांग्रेस की आधिकारिक सदस्य नहीं थीं क्योंकि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोहों में बाइबल के बजाय कुरान की शपथ ली थी।

मिडिल ईस्ट में फिर जंग की आहट! इजराइल ने बेरूत में किया एयरस्ट्राइक, हिजबुल्लाह के चीफ ऑफ स्टाफ की मौत!

एजेंसी

इजराइल। इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर जून के बाद पहली बार रविवार को हमला किया और हिजबुल्लाह के चीफ ऑफ स्टाफ हेथम तब्ताबाई को मार गिराने का दावा किया. उसने ईरान समर्थित चरमपंथी समूह को हथियार न जुटाने और पुनर्निर्माण न करने की एक बार फिर चेतावनी दी. लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हुए हमले में पांच लोग मारे गए और 25 घायल हो गए.

हिजबुल्लाह ने इजराइली सेना के दावे पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दी है. इससे पहले उसने कहा था कि यह हमला, इजराइल-हिजबुल्लाह युद्ध के खत्म होने के लगभग एक साल बाद किया गया है, जिससे व्यापक संघर्ष शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है.

सख्ती से कार्रवाई करना जारी रखेंगे

इजराइल ने यह कार्रवाई कैथोलिक ईसाई धर्म के शीर्ष नेता पोप लियो 14वें के लेबनान दौरे से कुछ दिन पहले की है. इजराइल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने एक बयान में कहा, हम उत्तरी इजराइल के निवासियों और इजराइल के लिए किसी भी खतरे को रोकने के लिए सख्ती से कार्रवाई करना जारी रखेंगे.

इजराइल के साथ युद्ध के लिए तैयार

सरकारी प्रवक्ता शोश बेडरोसियन ने यह नहीं बताया कि क्या इजराइल ने हमले से पहले अमेरिका को सूचित किया था या नहीं. उन्होंने केवल इतना कहा, इजराइल स्वतंत्र रूप से निर्णय लेता है. तब्ताबाई हिजबुल्लाह की विशिष्ट रदवान इकाई का नेतृत्व कर चुका था. इजराइली सेना ने कहा कि तब्ताबाई ने हिजबुल्लाह की अधिकांश इकाइयों की कमान संभाली और इजराइल के साथ युद्ध के लिए उसे तैयार रखने में कड़ी मेहनत की.

50 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम

अमेरिका ने 2016 में तब्ताबाई को आतंकवादी घोषित करते हुए उसे संगठन की हमलावर इकाई का कमांडर बताया था, जिसने सीरिया और यमन में हिजबुल्लाह के विशेष बलों का नेतृत्व किया था. अमेरिका ने उसके बारे में जानकारी देने वाले को 50 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा की थी.

इब्राहिम अकील का उत्तराधिकारी था तब्ताबाई

तब्ताबाई हिजबुल्लाह में इब्राहिम अकील का उत्तराधिकारी था. अकील सितंबर 2024 में इजराइली हमलों में मारा गया था. उन हमलों में हिजबुल्लाह के शीर्ष नेतृत्व का अधिकांश हिस्सा नष्ट हो गया था, जिनमें लंबे समय से नेता हसन नसरुल्ला भी शामिल था. इससे पहले, रविवार के हमले के स्थान पर, हिजबुल्लाह की राजनीतिक परिषद के उपाध्यक्ष महमूद कामती ने बताया था कि उनका एक उच्च पदस्थ पदाधिकारी हताहत हो सकता है, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी थी.

कमाती ने कहा था कि हिजबुल्लाह का नेतृत्व जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रहा है और उचित निर्णय लेगा.

मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म होगी, ट्रंप का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मिनेसोटा में रहने वाले सोमाली प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी सुरक्षा तुरंत खत्म कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ये लिखा। ट्रंप अपने इसक दम से एक ऐसे प्रोग्राम को निशाना बना रहे हैं जो निर्वासन को कम करने की कोशिश कर रहा है, जिसे ट्रंप प्रशासन पहले ही उनकी निर्वासन प्रक्रिया को बार-बार कमजोर करने की कोशिश करार दे चुका है।

मिनेसोटा में रहते हैं सबसे ज्यादा सोमाली लोग : अमेरिकी राज्य मिनेसोटा में देश की सबसे बड़ी सोमाली कम्युनिटी है। कई लोग पूर्वी अफ्रीकी देश सोमालिया में लंबे गृह युद्ध से भागकर अमेरिका आए थे और राज्य के सामाजिक प्रोग्राम के जरिए इन्हें कानूनी सुरक्षा भी मिली हुई है। लेकिन ट्रंप की शुक्रवार रात को इस प्रोग्राम को तुरंत खत्म करने की घोषणा कर दी। हालांकि उनके इस एलान से बेहद कम प्रवासियों पर इसका असर पड़ेगा। अगस्त में कांग्रेस में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस प्रोग्राम के तहत कवर होने वाले सोमाली लोगों की संख्या देश भर में सिर्फ 705 है।

साल 1990 में अमेरिकी सरकार ने सोमाली लोगों को दी थी ये कानूनी सुरक्षा : कांग्रेस ने 1990 में अस्थायी सुरक्षा स्टेटस देने वाला प्रोग्राम बनाया था। इसका मकसद लोगों को उन देशों में डिपोर्ट होने से रोकना था जो प्राकृतिक आपदा, गृह युद्ध या दूसरे खतरनाक हालात से जूझ रहे हैं। इस प्रोग्राम के तहत अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी सचिव सोमाली लोगों को मिनेसोटा में रहने की कानूनी सुरक्षा दे सकते हैं और इसे 18 महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ट्रंप ने की तीखी आलोचना : इस प्रोग्राम की आलोचना करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मिनेसोटा धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। ट्रंप ने लिखा, 'सोमाली गैंग इस महान राज्य के लोगों को डरा रहे हैं, और अरबों डॉलर गायब हैं। इसलिए उन्हें वापस वहीं भेजेंगे, जहां से वे आए थे। अब बस बहुत हुआ।' डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता पर काबिज होने के बाद से लाखों अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर करने का वादा किया है। इसके तहत ट्रंप प्रशासन ने कई कानूनी सुरक्षा कार्यक्रमों को बंद कर दिया है, जिनसे अप्रवासियों को अमेरिका में रहने और काम करने की कानूनी सुरक्षा मिलती थी। इसके तहत ट्रंप ने छह लाख वेनेजुएला और पांच लाख हैती के लोगों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कर दी। जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह सुरक्षा दी थी।

दिल्ली में बैठी शेख हसीना की बढ़ सकती है मुसीबत, यूनुस सरकार ने हायर किए UK के 2 वकील

बांग्लादेश एजेंसी. शेख हसीना को भारत से ले जाने के लिए बांग्लादेश की सरकार ने ब्रिटेन के 2 मशहूर वकील हायर किए हैं. प्रत्यर्पण मामले में दोनों वकील दुनियाभर में काफी मशहूर माने जाते हैं. इन दोनों वकील का नाम है- टोबी कैडमैन और अनास्तास्या मेदवेस्काया. रविवार (23 नवंबर) को दोनों वकील अमीरात एयरलाइंस से ढाका पहुंचे हैं.

भारत की राजधानी नई दिल्ली में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को ढाका स्थित इंटरनेशल ट्रिब्यूनल ने मौत की सजा सुनाई है. कोर्ट से शेख हसीना को सजा मिलने के बाद बांग्लादेश की सरकार एक्टिव हो गई है.

सरकार ने 2 वकील क्यों हायर किए?

शेख हसीना को वापस बांग्लादेश ले जाने के लिए यूनुस की सरकार 3 बार नई दिल्ली को चिट्ठी लिख चुकी है. तीनों ही बार उसे कोई सही जवाब नहीं मिला. अब कोर्ट के फैसले के बाद भी सरकार को यह उम्मीद नहीं है कि बांग्लादेश को शेख हसीना वापस मिलेगा.

अमेरिका के नए प्रपोजल को पुतिन से मिली हरी झंडी, पर क्या यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी 'शांति'?

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग को लेकर अमेरिका ने हाल ही में एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। अब इस प्रस्ताव पर पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रिएक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ यूक्रेन की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, वहीं पुतिन ने इस पीस प्रपोजल को हरी झंडी दे दी है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका का यह प्लान यूक्रेन में शांति का आधार हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लेकिन अगर कीव ने यह प्लान ठुकरा दिया तो रूसी सेना आगे बढ़ती रहेगी।

पुतिन ने रशियन सिक्योरिटी काउंसिल की एक मीटिंग में सीनियर अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।' पुतिन ने आगे कहा कि 28-पॉइंट वाले इस प्लान पर अभी तक अमेरिका के साथ विस्तार से बातचीत नहीं हुई है, लेकिन रूस को इसकी एक कॉपी मिल गई है।

पुतिन ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब तक यूक्रेनी पक्ष की मंजूरी लेने में नाकाम रहा है और यूक्रेन शांति के खिलाफ है। पुतिन ने आगे कहा, 'अगर यूक्रेन प्रेसिडेंट ट्रंप के प्रपोज़ल पर बात नहीं करना चाहता और ऐसा करने से मना करता है, तो उन्हें और यूरोपियन वारमोंगर्स दोनों को यह समझना चाहिए कि कुपियांस्क में जो घटनाएं हुईं, वे फ्रंट के दूसरे खास सेक्टर्स में भी जरूर दोहराई जाएंगी।'

नए शांति प्रस्ताव में क्या : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश में अमेरिका ने नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह तैयार किया गया है और यूक्रेन को चर्चा में शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

प्रस्ताव के तहत यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। वहीं अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं। वहीं रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी शांति : इससे पहले जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया था। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी अपनी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का सख्त विरोध कर चुके हैं। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की यह शांति पहल असल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी आक्रामकता के लिए इनाम देने जैसी है, जिससे वह कमजोर होने के बजाय और साहस पा सकते हैं।

इस मुस्लिम देश में है दुनिया का सबसे बड़ा बार, मिलती है ये खास बीयर

दुनिया एजेंसी. इस्लाम धर्म में शराब हराम है. लेकिन, इसके बाद भी आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि दुनिया का सबसे बड़ा बार मुस्लिम देश में है. यह बार दुबई में है. दुबई के जुमेराह विलेज सर्कल में यह बार खुला है. यह विशाल बार लगभग 32 हजार स्क्वायर फीट में फैला है. यह बार इतना बड़ा है कि यह एक फुटबॉल मैदान के आकार का लगभग आधा है.

globaltravelerusa वेबसाइट के मुताबिक, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इस बार को दुनिया का सबसे बड़ा बार माना है. इस बार का नाम McCaffertys JVC है. यह बार न सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा बार है, बल्कि यह दुनिया का सबसे बड़ा आयरिश बार भी है.

कहां है बार?

इस बार में एक आयरिश संस्कृति दिखाई देती है. बार दुबई के सर्कल मॉल की पूरी छत पर फैला हुआ है. रूफटॉप पर लोग यहां बैठकर शराब का आनंद लेते हैं. इसमें अनगिनत आयरिश पब कलाकृतियां और प्राचीन चीजें हैं.

बार में क्या-क्या है खास?

बार में बड़ी आउटडोर टैरेस है जहां कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं. 148 से अधिक बियर हैं. यहां गिनीज बीयर भी मिलती है. गिनीज बीयर (Guinness Beer) एक बहुत ही फेमस आयरिश बीयर ब्रांड है. यह मुख्य रूप से आयरलैंड से आती है और खासतौर पर स्टाउट (stout) बीयर के लिए जानी जाती है. इस बार में यह बीयर मिलती है और लोग इसको काफी पसंद करते हैं. दुनिया भर में इसे आयरिश पब और बार में बड़े चाव से पीया जाता है.

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/24/2025 11:10 PM Page 2

जरबेरा फूलों की उन्नत खेती

जरबेरा बहुवर्षीय कर्तित पुष्प वर्ग का पौधा है। इसकी उत्पत्ति स्थल अफ्रीका को माना जाता है । जरबेरा पुष्प की खेती अलंकृत बागवानी में सजावट एवं गुलदस्ता बनाने के लिए की जाती है। छोटी किस्म की प्रजातियों को गमलों में सुन्दरता के लिए भी उगाया जाता है। इसके कर्तित पुष्प लगभग एक सप्ताह तक तरोताज़ा बने रहते हैं। इसकी लगभग 70 प्रजातियाँ हैं। जिसमें । का उत्पत्ति स्थल भारत या आस पास का माना गया है। जरबेरा की खेती विश्व में नीदरलैण्ड, इटली, पोलैण्ड, इजरायल और कोलम्बिया में की जा रही है। भारत में इसकी खेती व्यवसायिक स्तर पर घरेलू बाजार में बेचने हेतु की जा रही है। धरेलू पुष्प बाजारों में जरबेरा कट फ्लावर की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इसके प्रजातियों को सिंगल, सेमी डब्बल और डबल वर्गों में विभाजित किया गया है।

जरबेरा कट फ्लावर व्यवसाय में डब्बल प्रजातियों की मांग सर्वाधिक है। यदि उत्पादक बन्धु जरबेरा की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो इसकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में जरबेरा की खेती उन्नत तकनीक से कैसे करें की जानकारी का उल्लेख किया गया है।

⏩उपयुक्त जलवायु

इसके पौधों की अच्छी वृद्धि एवं विकास के लिए दिन का तापमान 20 से 25 सेंटीग्रेड तथा रात का तापमान 12 से 15 डिग्री सेंटीग्रेड अच्छा माना गया हैं। लेकिन जिन स्थानों का तापमान कुछ दिनों के लिए गर्मी के महीनों में 30 से 35 सेंटीग्रेड तथा जाड़े के महीनों में रात को न्यूनतम तापमान 3 से 4 सेंटीग्रेड तक जाता हो, वहां पर भी इसकी खेती की जा सकती हैं।

इसका 12 घण्टे की प्रकाश अवधि में अच्छा पुष्प उत्पादन पाया गया है। मैदानी तथा पहाड़ी क्षेत्रों में इसकी खेती पॉलीहाउस में ही सफलतापूर्वक की जा सकती है। लेकिन कटीबन्धी तथा उष्ण-कटबंधीय वातावरण में जहाँ पर ठंड हो वहाँ पर भी इसकी खेती की जा सकती हैं।

⏩भूमि का चयन

जरबेरा की खेती लगभग हर प्रकार की मिट्टी में की जा सकती हैं। इसकी जड़े 30 सेंटीमीटर गहराई तक जाती हैं। बलुई दोमट मिट्टी जिसका पी एच मान 6 से 7 हो तथा जीवांश पदार्थ की प्रचूर मात्रा के साथ साथ जल निकास का उचित प्रबन्ध हो, सर्वोत्तम पायी गई हैं। यदि बलुई दोमट मिट्टी नहीं हैं, तो चिकनी मिट्टी में जीवांश पदार्थ (गोबर की खाद या पत्तियों की सड़ी खाद) अधिक मात्रा में तथा बालू मिटटी क्यारी बनाने से पहले मिला देते हैं। क्यारीयां बनाने से पहले मिट्टी की 30 से 40 सेंटीमीटर गहरी खुदाई करके भुरभुरा तथा खरपतवार रहित कर लेते हैं।

⏩खेत की तैयारी

पौध रोपण के 15 से 20 दिन पहले मृदा परीक्षण परिणाम के आधार पर आवश्यतानुसार जीवांश पदार्थ तथा रासायनिक उर्वरक मिट्टी में डाल कर 15 से 20 सेंटीमीटर गहराई तक अच्छी तरह मिला देते हैं। मिट्टी की सक्रांमक शुद्धि के लिए फार्मेल्डिहाइड के 2.0 प्रतिशत सान्दता का घोल बनाकर मिट्टी में ड्रेन्चिंग करके पॉलीथीन से 2 से 3 दिनों के लिए मिट्टी को ढक देते हैं। पॉलीथीन को मिट्टी की सतह से हटाने के बाद 6 से । दिनों के लिए मिट्टी को खुल्ला छोड़ देते हैं।

अच्छी तरह तैयार भुरभुरी मिट्टी में 1.0 से 1.2 मीटर चौड़ाई की और 25 30 सेंटीमीटर ज़मीन की सतह से उठी क्यारियाँ बनानी चाहिए। क्यारी की लम्बाई सुविधानुसार रखनी चाहिए तथा दो क्यारियों के बीच में 30 सेंटीमीटर चौड़ा रास्ता छोड़ना चाहिए। पौध रोपण के एक सप्ताह पहले क्यारियों की हल्की सिंचाई कर देते हैं, जिससे फार्मेल्डिहाइड गैस की सान्द्रता कम हो जाए तथा मिट्टी में हल्की नमी बनी रहे।

उन्नत किस्म

जरबेरा की व्यापारिक खेती के लिए निम्नलिखित किस्मों को लगाया जाता है। जो इस प्रकार है, जैसे- डस्टी (लाल), फ्लेमिन्गो (पेल रोज), फ्रेडेजी (गुलाबी), फ्रेडकिंग (पीला), फ्लोरिडा (लाल), मारोन क्लेमेन्टीन (नारंगी), नाडजा (पीला), टैराक्रीन (गुलाबी), यूरेनस (पीला), वेलेन्टाइन (गुलाबी), वेस्टा (लाल) आदि प्रमुख है।

⏩प्रवर्धन की विधि

जरबेरा का प्रवर्धन बीज तथा वानस्पतिक भागों द्वारा किया जाता है। बीज द्वारा प्रवर्धन नयी जातियों को विकसित करने के लिए किया जाता है। वानस्पतिक विधि द्वारा प्रवर्धन करने से पौधे पैतृक जैसे ही उत्पादित होते हैं। इस विधि द्वारा जरबेरा का प्रवर्धन कलम्प विभाजन द्वारा किया जाता है। कलम्प विभाजन विधि द्वारा कम समय में बड़े पैमाने पर पौधों को तैयार नहीं किया जा सकता है। बड़े पैमाने पर रोगमुक्त पौधे उत्तक संवर्धन विधि द्वारा तैयार किये जाते है।

कलम्प विभाजन- पहाड़ी क्षेत्रों में जरबेरा के कलम्प का विभाजन सितम्बर के पहले सप्ताह तथा मैदानी क्षेत्रों में जून से जुलाई में किया जाता है। कलम्प विभाजन के बाद तथा पुन: कलम्प को रोपित करने से पहले कलम्प से कुछ पत्तों के उपरी आधे हिस्से को काट देना चाहिए, केवल दो से तीन नये पत्ते रखे जाते हैं। कलम्प को लगाने में यह सावधानी रखी जाती है, कि कलम्प के बीच का भाग मिट्टी में नहीं दबना चाहिए।

पौध उखाड़ने तथा कलम्प विभाजन के बाद कलम्पों को पॉलीथीन बैग में लगाकर पॉलीहाउस में जिसका तापमान 18 से 20 डिग्री सेंटीग्रेड तथा आर्द्रता 80 प्रतिशत तक हो, वहाँ पर रखना चाहिए। इस विधि द्वारा 15 से 20 दिनों में पौधे क्यारी में स्थानान्तरण के लिए तैयार हो जाते हैं। पौध रोपण के तुरन्त बाद जो फूल आते हैं, उन्हें शुरु में तोड़ देते हैं। जब तक पौधे पर कम से कम 6 से । बड़ी आकार की पत्तियों न हो जाएं तब तक पुष्प उत्पादन नहीं किया जाता है।

उत्तक संवर्धन- बड़े पैमाने पर कम समय में रोगमुक्त जरबेरा की पौध सामग्री तैयार करने की यह सर्वोत्तम विधि है। उत्तक संवर्धन विधि द्वारा जरबेरा का पौधा शूट टिप, फ्लावर बड, फ्लावर हेड, लीव्स, मिडरिब्स, पेटियोल इत्यादि भागों द्वारा तैयार किया जाता है। इस विधि द्वारा जरबेरा की पौध सामग्री व्यवसाय के तौर पर हमारे देश में कई कम्पनियों के द्वारा उत्पादित कि जा रही है।

⏩पौध रोपण एवं विधि

वातावरण अनुकूल होने पर जरबेरा का पौध रोपण पूरे वर्ष किया जा सकता हैं। सामान्य तौर पर इसका पौध रोपण जून से सितम्बर तथा फरवरी से मार्च तक किया जाता है। पौध से पौध एवं पंक्ति से पंक्ति का फासला 33 से 40 सेंसेंटीमीटर रखा जाना चाहिए। पौध रोपण का फासला बढ़ाने पर पुष्प की उपज कम हो जाती है तथा बहुत ही कम फासला करने पर पुष्प गुणवत्ता में कमी आ जाती है और रोग लगने की अनुकूल परिस्थिति पैदा हो जाती हैं।

पौध रोपण करते समय विशेष तौर पर यह ध्यान देना चाहिए कि पूर्ण तरीके से जड़ वाला भाग जमीन के अन्दर चला जाए लेकिन पौधे के बीच में जहाँ से नई पत्तियाँ निकलती हैं, वह जमीन के अन्दर नहीं जाना चाहिए। पौध रोपण का कार्य सायंकाल में करना चाहिए। रोपाई के तुरन्त बाद सिंचाई कर देनी चाहिए ताकि जड़ों एवं मिट्टी के बीच कोई फासला न रहे अन्यथा पौधों के मरने की स्थिति पैदा हो जाती हैं।

⏩पोषण प्रबंधन

जरबेरा की पौध को अच्छी वद्धि एवं विकास के लिए लगातार पोषक तत्व की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन कभी भी एक साथ अधिक मात्रा में पोषक तत्व की मात्रा पौधों को नहीं देना चाहिए। पौध रोपण के बाद तब तक उर्वरक देना शुरु नहीं करते हैं, जब तक पौधों में नई वृद्धि शुरु न हो जाए। पोषक तत्वों जैसे नत्रजन, फास्फोरस तथा पोटाश के लिए घुलनशील ग्रेडेड विभिन्न प्रतिशत वाले रासायनिक उर्वरक जैसे 13:13:13, 19:19:19 तथा 0:0:5। का इस्तेमाल किया जाता है।

नत्रजन के लिए कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट का भी प्रयोग किया जाता है। ज़रुरत पड़ने पर सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव पौधों पर किया जाता है। इन उर्वरकों या सूक्ष्म पोषक तत्वों की मात्रा पौधों की वृद्धि एवं विकास के उपर काफी हद तक निर्भर करती है।

⏩ सिंचाई प्रबंधन

जरबेरा की खेती में पौधों की बढ़वार के लिए सिंचाई का विशेष महत्व है। मिट्टी की पौध रोपण से पहले हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए तथा पौध रोपण के उपरान्त भी सिंचाई करनी चाहिए। क्योंकि मिट्टी की उपरी सतह पर पोषक तत्वों को अर्जित करने वाली जड़ों का विकास होता है, इसलिए यह आवश्यक है, कि उपरों 30 सेंटीमीटर की सतह में लगातार नमी बनी रहे।

क्यारियों में पानी का जमाव बिल्कुल नहीं होना चाहिए। शुष्क मौसम में प्रतिदिन हल्की सिंचाई करनी चाहिए। जरबेरा के पूर्ण विकसित एक पौधे को 700 से 1000 मिलीलीटर पानी की प्रतिदिन आवश्यकता पड़ती है। सिंचाई के पानी का पी एच मान 6.5 से 7.0 तथा ई सी 0.5 से 1.2 तक लाभकारी पाया गया हैं।

⏩खरपतवार नियंत्रण

जरबेरा के अच्छे उत्पादन के लिए महीने में एक बार निराई-गुड़ाई कर देनी चाहिए। जिससे खरपतवारों के साथ-साथ मिटटी में उपस्थित कवक एवं जीवाणु बढ़ नही पते है। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए खरपतवारनाशियों प्रयोग न करके खुरपी से खरपतवार निकालने चाहिए।

कीट एवं रोकथाम

व्हाईट फ्लाई- यह एक प्रकार का रस चूसने वाला कीट है। इसके अत्याधिक प्रकोप के कारण पौधों की बढ़वार और फूलों की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। व्हाईट फ्लाई के द्वारा बहुत सारे विषाणु एक पौध से दूसरे पौध पर स्थानांतरित होते हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए सार्प नामक कीटनाशक दवा का 0.3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए और दूसरा छिड़काव 12 से 14 दिनों के अन्तराल पर इण्डोसल्फान 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर पत्तियों के निचले एवं पौधों के समस्त भाग पर करना चाहिए।

थ्रिप्स- यह भी एक प्रकार का रस चूसने वाला कीट हैं। इसका सीधा प्रभाव पुष्प की गुणवत्ता पर पड़ता है तथा बाजार में इस प्रकार के पुष्पों की कीमत कम मिलती है।

रोकथाम- इस पर नियंत्रण के लिए समय समय पर इण्डोसल्फान एवं मैलाथियान का छिड़काव 2.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर करना चाहिए।

एफिड्स- एफिड्स नई पत्तियों या पुष्प इण्डियों पर रहते हैं और जरबेरा की फसल को नुकसान पहुचाते है। जिससे उत्पादन कम हो जाता है।

रोकथाम- इनकी रोकथाम के लिए मैलाथियान या इण्डोसल्फान का छिड़काव 2.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के साथ घोलकर करना चाहिए।

लीफ माइनर- लीफ माइनर काला एवं पीले रंग का होता है। इसके नर एवं मादा दोनों पौधों को नुकसान पहुंचाते हैं। जरबेरा में इसका प्रकोप बहुत देखने को मिलता है। यदि समय पर इसका नियन्त्रण न किया गया तो कुछ समय बाद जरबेरा का पौधा मर भी जाता है। रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए 1.2 मिलीलीटर रोगर प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

रूट रॉट- रूटराट से प्रभावित पौधों की पत्तियों में रेडिस बाइलेट रंग तथा बाद में नेक्रोटिक एरिया विकसित हो जाता है। इसका प्रकोप वहाँ पर कम देखा गया है। यदि पौध रोपण से पहले मिट्टी का संक्रामक शुद्धि कर दिया जाए रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए डाईथेन एम- 45 एक लीटर पानी में 2.0 ग्राम की दर से घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

(स्त्रोत-भूपेंद्र चौधरी, दैनिक जागृति)

पुष्प की कटाई

गुणवत्ता युक्त जरबेरा पुष्प उत्पादन पौध रोपण के 5 से 6 महीने बाद शुरु हो जाता हैं। जरबेरा का फूल जब पूर्ण रूप से खिल जाए, उसी दिन उन पुष्पों की कटाई कर लेनी चाहिए। यदि फूलों को काटने की सही अवस्था से पहले काट दिया गया, तो फूलों का रंग एवं आकार भली भांति विकसित नहीं हो पाता है और यदि खिले फूलों को बिलम्ब करके काटा गया तो फूल की गुणवत्ता घट जाती है। काटने के बाद फूलों की डण्डियों को तुरन्त पानी भरे बाल्टी में रखना चाहिए।

अजवाइन की उन्नत खेती

यह सब्जी भी अन्य सब्जियों की तरह होटलों, रेस्टोरेन्टों तथा एम्बेसियों में प्रयोग की जाती है। इसके डंठल अधिक परिपक्व न होकर मुलायम ही कच्चे या पकाकर सूप में सुगंध के लिये अधिक प्रयोग किये जाते है। इसका प्रयोग दवाओं में भी किया जाता है । इसकी पत्तियों से ही पहले ही जड़ के पास से 12-15 सेमी. लम्बे डंठलों को ही प्रयोग किया जाता है । इन डंठलों में रेशा नहीं बनना चाहिए । यह भी स्वास्थ्य के लिये पोषक तत्व युक्त सब्जी है जो बाजार में 125-150 रुपये प्रति किलो मिलती है । जिसको बड़े होटलों में अधिक प्रयोग किया जाता है इसका प्रयोग फिलेवर के लिये अधिक किया जाता है ।

इस सब्जी के लिये खुला हुआ खेत जहां धूप अधिक हो तथा भूमि की किस्म हल्की दोमट से हल्की चिकनी मिट्टी में आसानी से उगाई जा सकती है तथा मिट्टी का पी.एच. मान 6.5-9.0 के बीच का ही उपयुक्त रहता है ।

यह ठण्डी जलवायु का पौधा है जो शरद ऋतु में उगाया जाता है । लेकिन वर्षाकाल में भी कुछ वृद्धि करता है । आर्द्रता वाली जलवायु को भी पसन्द करता है । तापमान 30 डी0सेग्रेड पर भी अच्छी वृद्धि करता है ।

खेत को भली-भांति घास, ढेले, रहित करके साफ करना चाहिए । जमीन की 3-4 जुताई करके फसल लगाने लायक तैयार किया जाता है । ध्यान रहे कि खेत में सूखी घास, खरपतवार तथा अन्य पिछली फसल के अभिशेष न रह पायें । इस प्रकार से खेत की मिट्टी बारीक करके पौधे लगाने हेतु तैयार करना चाहिए ।

⏩ अजवाइन की उन्नत किस्में

सैलरी की किस्में निम्न हैं जो अधिकतर उगायी जाती हैं-

1. गोल्डेन सेल्फ ब्लानचिंग - इसके डंठल मोटे व लम्बे होते हैं । पत्तियां चौड़ी होती हैं । पत्तियों के डंठल सुगन्ध वाले होते हैं ।

2. यूटाह - यह भी उपरोक्त किस्म से मिलती-जुलती है । जो कुछ ठन्डे स्थानों में लम्बे समय तक उगाई जाती है ।

3. स्टैंडर्ड-बियरर - इस किस्म के पौधों के डंठल लम्बे, पत्तियां कुछ चौड़ी व गहरे हरे रंग की होती हैं । पौधे का तना या डंठल वृद्धि करने से अधिक मोटा नहीं होता ।

4. जाइंट-पास्कल - यह किस्म भी गहरे हरे रंग के पौधों वाली होती है । पत्तियां छोटी होती हैं।

इसका बीज हल्का, छोटा होता है! लेकिन औसतन बीज 250-300 ग्राम प्रति हैक्टर पर्याप्त होता है । सर्वप्रथम बीज को 24 घंटे भिगोकर बोयें जिससे सभी बीज अंकुरित हो जाये ।

पौधशाला में जब यह बीज बोयें तो 1 मी. चौड़ी तथा 3 मी. लम्बी कुछ उठी हुई क्यारी तैयार करके बीज में थोड़ी मिट् ?टी या खाद (गोबर) को मिलाकर पंक्तियों में लगातार बीज बोयें इन पंक्तियों की आपस की दूरी 5-6 सेमी. तथा बीज 1-2 मि.मी. पर डालकर बोयें तथा बोने के पश्चात् बारीक पत्ती की खाद से पंक्तियों को ढके तथा पानी द्वारा हल्की सिंचाई करें । जब पौध 30-40 दिन बाद 8-10 सेमी. ऊंची हो जाये तो रोपाई करें । अर्थात् तैयार खेत में आवश्यकतानुसार पौधों को लगायें।

बीज की बुवाई पौधशाला में अगेती करें जिससे तापमान उचित मिलने पर सभी बीज अंकुरित हो सकें । उचित बुवाई का समय मध्य सितम्बर से मध्य अक्टूबर के अन्त का मौसम रहता है । पौध तैयार होने पर रोपाई का समय अक्टूबर-नवम्बर उत्तम रहता है तथा पहाड़ी क्षेत्रों में बीज मध्य अप्रैल-मई तथा रोपाई का समय मई-जून उत्तम रहता है

सड़ी गोबर की खाद- 10-12 टन प्रति हैक्टर,

नत्रजन की मात्रा- 80 किलो प्रति हैक्टर,

फास्फोरस की मात्रा- 60-70 किलो प्रति हैक्टर,

पोटाश की मांत्रा- 50-60 किलो प्रति हैक्टर आदि मात्रा की आवश्यकता होती है । नत्रजन की 1/2 (आधी) मात्रा, फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा अन्तिम जुताई के समय खेत में भली-भांति मिला देना चाहिए 7 जिससे पौध रोपने तक खाद व उर्वरक मिल सकें तथा शेष नत्रजन की मात्रा को दो बार में खड़ी फसल में छिड़क कर, टोप-ड्रेसिंग के रूप में देना चाहिए । जिससे पौधे स्वस्थ व अधिक वृद्धि करें । रोपाई के लिये पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30-40 सेमी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 25-30 सेमी. रखें । दूरी किस्म के आधार पर रखनी चाहिए जिससे पौधों की निकाई-गुड़ाई आसानी से की जा सके । सर्वप्रथम सिंचाई रोपाई के तुरन्त बाद करें । ध्यान रहे कि पहली सिंचाई हल्की करें जिससे पौधे उखड़ने या गलने न पायें तथा अन्य सिंचाई शरद ऋतु की फसल होने से 15 दिन के अन्तराल पर करनी चाहिए । इस फसल की भी सिंचाई के बाद घास व अन्य जंगली पौधे होने पर निकाई-गुड़ाई द्वारा फसल से निकाल देना चाहिए । इस प्रकार से खरपतवार-नियन्त्रण भी हो जाते हैं तथा दबी हुई मिट्टी वायु संचार के लिये उत्तम हो जाती है तथा पौधे अधिक वृद्धि करते हैं ।

कटाई

सैलेरी की कटाई पौधों को पूर्ण विकसित हो जाने पर तथा 30-40 सेमी. ऊंचे होने पर जब सुगन्ध आने लगे तो कटाई करनी चाहिए । मुख्यत फरवरी-मार्च व अप्रैल में तैयार हो जाती है।

सैलेरी के डंठल प्रति पौधा 500-600 ग्रा. तथा 400-500 क्विंटल प्रति हैक्टर प्राप्त होता है ।

गुलदाउदी की उन्नत खेती

गुलदाउदी को सर्दी के मौसम की रानी कहा जाता है क्योकि सर्दियों में उगाए जाने वाले फूलों में यह बहुत लोकप्रिय है इसको सेवन्ती व चंद्रमाल्लिका के नाम से भी जानते है । गुलदाउदी के फूलो की बनावट आकार प्रकार तथा रंग में इतनी अधिक विविधता है कि शायद ही किसी अन्य फूल में हो । उसके फूलने का समय बहुत कम होता है , फिर भी लोकप्रियता में यह गुलाब के बाद दूसरे स्थान पर है

व्यावसायिक स्तर पर इसकी खेती मुख्य रूप से कटे (डंठल रहित) और लूज़ (बिना डंठल के फूल के उत्पादन क लिये की जाती है ।

फूलो का इस्तेमाल , मेज़ की सजावट, मालाओ वेणी, गुलदस्ते बनाने में गजरा व कंगन बनाने में होता है गमलो में तैयार किए गए पौधे जिन से बड़े आकार के फूल लिए जाते है । वे फूल प्रदर्शनी में लोगो को ज्यादा आकर्षक लगते है आकार व रंग के आधार पर गुलदाउदी की अलग-अलग किस्मे है, जो गमलो व क्यारियों में लगाने के लिए ठीक रहती है । इसकी खेती महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, बिहार, दिल्ली, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में की जाती है। मध्यप्रदेश में यह फूल प्रमुख रूप से इंदौर, रतलाम, व उज्जैन जिलो में पाया जाता है, जम्मू-कश्मीर में भी यह बड़े शौक से उगाई जाती है।

गुलदाउदी की वृद्धि एवं उत्पादन पर जलवायु का बहुत प्रभाव पड़ता है। भारत के मैदानी क्षेत्रो में सर्वोत्तम फूल नवम्बर के उपरांत ही प्राप्त होते गुलदाउदी की समुचित बढवार व पुष्प उत्पादन के लिये लगभग 60 डिग्री फेरनहाइट तापमान गुलदाउदी में दिन की अवधि 14.5 घंटे से अधिक होने पर फूल की कली नहीं बनती है तथा 13.5-14.5 घंटे के बीच होने पर कली तो बन सकती है किन्तु उसका विकास नहीं हो पता है हालांकि कुछ किस्मे ऐसी भी विकसित हो चुकी है जिन पर प्रकाश अवधि का प्रभाव नही पड़ता है। खेती के लिये बलुई दोमट मिटटी सर्वोत्तम होती है। अम्लीय मिटटी में इसे सफलतापूर्वक नहीं उगाया जा सकता है। इसके लिये उचित जल निकास वाली भूमि होनी चाहिए। गुलदाउदी के लिए ज्यादा कार्बन युक्त मिटटी अच्छी होती है, रेतेली मिटटी व कम नमी धारण करने वाली मिटटी अच्छी नहीं होती है ।

गुलदाउदी की अब तक हजारो किस्मे विकसित की गई है। जिनके गुण फूल के आकार-प्रकार और रंग के अनुसार कुछ मुख्य किस्मे इस प्रकार है

1.बड़े आकार के फूल वाली किस्मे

प्रदर्शनी और भीतरी सज्जा के लिए- फ्रेड यूले (तांबे जैसा रंग), स्नोबाल (सफ़ेद) , सुपर जायंट(पीला), राज (बैगनी), डायमंड, (लाल), पिंक जायंट (बैगनी), स्टार यलो (पीला), टेम्पटेशन(हल्का बैगनी), अन्दर की तरफ और बाहर की तरफ चाँदी जैसा सन राइज (पीला) 7

2.छोटे फूलो वाली किस्मे = माला ,वेणी , पूला क्यारी और गमले के लिए- फ्लीर्टलाल, लिलिथ सफ़ेद, सोनाली तारापीला, शरद शोभासफ़ेद, बैगी सफ़ेद, हिमानी सफ़ेद,ज्योत्सना, अर्चना पीला बसंती पीला, कुंदन(पीला)।

गुलदाउदी की एक वर्षीय किस्मो को पौध शाला में बीज बो कर पौध तैयार करें7इसमें बीजों को फरवरी के महीने में लगाये सिंगल और कोरियन वर्ग की किस्मो को बीज द्वारा ही तैयार किया जाता है

सकर/कल्ले द्वारा गुलदाउदी के पौधे को जब उसका फूल मुरझाने लगता है जमीन से लगभग 15-20 से.मी. ऊपर से काटे इसके बाद जनवरी-फरवरी में पौधे की जड़ के पास से बहुत से संकर कल्ले निकलना प्रारंभ हो जाते है, जिन्हें सावधानीपूर्वक निकालकर 10 इंच आकार के गमले में लगाये 7 कल्ले में जड़ रहती है, इसलिये किसी तरह का हारमोन आदि जड़ निकालने के लिए लगाने की आवश्यकता नहीं होती है,

मुर्गीपालन की कृषि

मुर्गीपालन शब्द का प्रयोग बत्तख व मुर्गियों जैसे पक्षियों को, उनसे अण्डे व मांस पाने के लिये उनकी देखरेख और पालन की कृषि है। मुर्गीपालन थोड़े ही समय में इसलिये लोकप्रिय हुआ है क्योंकि इसका प्रारम्भ व संचालन की प्रक्रिया सरल है। मुर्गीपालन पर खर्च शीघ्र ही एक से छह महीनों में धनराशि लौटाता है। यह सरल रूप से संचालित और कम स्थान व श्रम से सम्भव है। मुर्गियों जैसे पक्षी व उनके अण्डे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

भारतीय मुर्गियों से अच्छी गुणवत्ता का माँस पाया जा सकता है। परन्तु इनके अण्डे छोटे आकार के होते हैं। बाहर के कुछ देशों की विशिष्टतम किस्मों के मुकाबले में इनकी साधारण बीमारियों से लड़ने की स्वाभाविक क्षमता कम है।

विदेशीय पक्षियों के कुछ साधारण किस्में इस प्रकार हैं- लेग हॉर्न, रोड आइलैण्ड रेड, कॉर्निश।

साधारण भारतीय किस्में इस प्रकार हैं- असील, चिट्टागौंग, बसरा।

मशरूम (खुम्भी) की कृषि

मशरूम की कृषि न सिर्फ धन कमाने का एक आकर्षक तरीका है, बल्कि वह पोषक तत्वों से भी भरपूर खाद्य पदार्थ है। मशरूम एक प्रकार के कवक हैं जो कि छोटे आकार की सफेद गेदों के रूप में दिखायी देते हैं। इनमें एक छोटी शाखा और टोपी होती है, जो कि एक छतरी के समान ऊपर को खुलती हैं। इनमें क्लोरोफिल नामक तत्व की कमी होती है और ये खेतों व कारखानों के अपशिष्ट पदार्थों या कार्बनिक पदार्थों व कूड़ा-करकट पर उगते हैं। मानवीय उपभोग के लिये बेकार पदार्थों, कूड़ा-करकट को माध्यम बनाकर खुम्बी उगाई जा सकती है। इस प्रकार अपशिष्ट पदार्थों को पुन: प्रयोग में लाया जा सकता है। मशरूमों की अनेक किस्मों में से केवल कुछ ही खाने के योग्य हैं। भारत में उगने वाले कुछ खाने योग्य मशरूमों के नाम इस प्रकार हैं- सफेद बटन मशरूम (ऐगेरीकस बाइस्पोरस), धान के रेशे की मशरूम व ऑयस्टर मशरूम। मशरूम ऊँचे स्तर के प्रोटीनों का एक अच्छा स्रोत हैं। इसके अतिरिक्त ये विटामिनों एवं खनिजों जैसे पोषक तत्वों से भी भरपूर है। फल और सब्जियों की तरह मशरूम भी जल्दी सड़ने वाले पदार्थ हैं तथा संरक्षण व व्यवसायीकरण की प्रक्रियाओं के दौरान उन पर बहुत ध्यान देने की आवश्यकता होती है।